आषाढ़ कृष्ण पक्ष- 4, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 358 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
03 जुलाई 2026 शुक्रवार

आज का मौसम
31.4 अधिकतम
23.7 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

अयोध्या में रामलला का चढ़ावा और भरोसे की अंतिम कसौटी...

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

अयोध्या चढ़ावा कांड पर दोपहर मेट्रो की पड़ताल का उद्देश्य किसी व्यक्ति को कठघरे में खड़ा करना नहीं था। हमारा मकसद उन सवालों को सामने लाना था, जिनके जवाब करोड़ों श्रद्धालु जानना चाहते हैं। क्योंकि जब मामला रामलला का हो, तब प्रश्न केवल पैसों का नहीं होता, विश्वास का भी होता है। अभी भी मेरा मानना है कि चढ़ावे की इस चोरी में वो सिर्फ़ आठ चेहरे ही नहीं हैं। अभी कई बड़े नाम सामने आना बाकी हैं जिनकी सहमति से यह सिलसिला चलता रहा। दोपहर मेट्रो पहले दिन से यह कह रहा था की चंपत राय के भरोसे को खून हुआ। उन्होंने ही इस चोरी की पोल गुप्त कैमरे लगाकर खोली। वही सारे मामले को पुलिस के सामने लाए। लेकिन यह भी सच है कि उन्होंने प्रतिष्ठा पर आँच नहीं आने के नाम पर इसमें परदेदारी की भूल की। सूत्रों के मुताबिक़ उन्होंने आरएसएस और विहिप की उन सलाहों को दरकिनार किया जिसमें उनको दान और चढ़ावे की व्यवस्था को पुखता बनाने की सलाह दी गई थी। इस मामले में मंदिर के कोषाध्यक्ष गोपाल राव और ट्रस्टी डॉ अनिल मिश्रा की भूमिका की और गहन छानबीन की जरूरत है।

राम मंदिर आंदोलन ने भारतीय राजनीति की दिशा बदली। अनेक पीढ़ियों के संघर्ष, त्याग और आस्था के बाद यह मंदिर बना। इसलिए इस मंदिर से जुड़ी हर छोटी-बड़ी घटना का प्रभाव सामान्य धार्मिक संस्थानों से कहीं अधिक व्यापक होगा। यही कारण है कि यहाँ जवाबदेही का मानदंड भी असाधारण होना चाहिए। यदि किसी स्तर पर वित्तीय अनियमितता हुई है, तो दोषियों को कानून के अनुसार दंड मिलना चाहिए। यदि किसी निर्दोष पर संदेह गया है, तो जांच उसे भी न्याय दे। लेकिन इससे भी बड़ा प्रश्न यह है कि क्या इस पूरे घटनाक्रम के बाद ट्रस्ट की कार्यप्रणाली पहले से अधिक पारदर्शी बनेगी? क्या दान प्रबंधन, ऑडिट और निगरानी की ऐसी व्यवस्था बनेगी जिस पर भविष्य में कोई उंगली न उठा सके?

यह प्रकरण केवल अयोध्या तक सीमित नहीं है। देश के हजारों मंदिर, मठ, गुरुद्वारे, मस्जिदें, चर्च और अन्य धार्मिक संस्थाएँ भी जनता के विश्वास और दान पर चलती हैं। इसलिए समय आ गया है कि धार्मिक संस्थाओं की वित्तीय जवाबदेही पर एक राष्ट्रीय बहस शुरू हो। आस्था और पारदर्शिता एक-दूसरे की विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। राजनीतिक दलों को भी इस घटना को केवल आरोप-प्रत्यारोप का हथियार बनाने से बचना चाहिए। यदि सत्ता निष्पक्ष जांच कराती है तो उसका स्वागत होना चाहिए। यदि विपक्ष संस्थागत सुधार की बात करता है तो वह भी लोकतंत्र का आवश्यक हिस्सा है। लेकिन यदि दोनों केवल तात्कालिक राजनीतिक लाभ तक सीमित रहेंगे, तो सबसे बड़ा नुकसान उस जनविश्वास का होगा जिसने राम मंदिर को राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक बनाया।

दोपहर मेट्रो का मानना है कि किसी भी संस्था की सबसे बड़ी पूंजी उसकी संपत्ति नहीं, उसकी विश्वसनीयता होती है। रामलला का चढ़ावा करोड़ों लोगों की श्रद्धा का प्रतीक है। उस श्रद्धा की रक्षा केवल ऊँची दीवारों, सीसीटीवी कैमरों या सुरक्षा घेरों से नहीं होगी। उसकी रक्षा पारदर्शिता, जवाबदेही और सत्य के प्रति अडिग प्रतिबद्धता से होगी। हमने इस श्रृंखला में प्रश्न उठाए हैं। उत्तर देना जांच एजेंसियों, ट्रस्ट, सरकार और संबंधित पक्षों की जिम्मेदारी है। क्योंकि अंततः इतिहास किसी मंदिर को उसकी भव्यता से कम, मर्यादा से अधिक याद रखता है।

और... मर्यादा की पहली शर्त है - विश्वास।

- **दोपहर मेट्रो किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं है।**
- **दोपहर मेट्रो किसी सरकार के पक्ष में नहीं है।**
- **दोपहर मेट्रो केवल उस सत्य के पक्ष में है जो जनता के विश्वास की रक्षा करता है।**

रिपोर्ट में सनसनीखेज खुलासा... अमेरिका ने दे दी थी ईरान को साजिश की जानकारी

इजराइल कर सकता था शांति वार्ता के दौरान अराघची-गालिबाफ की हत्या!

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी. एजेंसी

ईरान के सुप्रीम लीडर के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया शुरू होने से पहले एक बड़ी खबर आई है। इसमें कहा गया है कि अमेरिका-ईरान के बीच अप्रैल में शुरू हुई बातचीत के दौरान अमेरिका को डर था कि इजराइल, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची और संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकर गालिबाफ को निशाना बना सकता है। इसी वजह से अमेरिका ने मिडिल-ईस्ट के कुछ सहयोगी देशों के जरिए तेहरान को सतर्क रहने का संदेश भिजवाया था।

यह सनसनीखेज खुलासा न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में किया गया है। इसके मुताबिक, अमेरिका को डर था कि अगर दोनों वार्ताकारों की हत्या हुई तो युद्धविराम और शांति प्रक्रिया टूट जाएगी। उस समय ट्रम्प प्रशासन होर्मुज स्ट्रेट खोलने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर समझौते की कोशिश कर रहा था। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान में होने वाली एक बैठक से पहले भी ईरान को हमले का खतरा था। इसी कारण पाकिस्तान ने ईरानी प्रतिनिधिमंडल के विमान को फाइटर जेट की सुरक्षा में इस्लामाबाद तक पहुंचाया। दावा किया गया है कि इजरायल के दो लड़ाकू विमान ईरान के हवाई क्षेत्र में प्रवेश कर चुके थे। लौटते समय भी सुरक्षा अलर्ट मिलने पर विमान की मशहद में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई और डेलिगेशन सड़क के जरिए तेहरान पहुंचा।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ईरान के शीर्ष नेताओं को निशाना बनाना युद्ध की शुरुआत से ही इजरायल की रणनीति का हिस्सा रहा है। जहां अमेरिकी सेना का ध्यान ईरान की नौसेना और मिसाइल क्षमता को कमजोर करने पर था, वहीं इजरायल ने शुरुआत से ही ईरान के शीर्ष नेतृत्व को निशाना बनाने पर ज्यादा जोर दिया। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इजरायल की सूची में ईरान के वरिष्ठ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारी अली लारीजानी और पूर्व विदेश मंत्री कमाल खराजी जैसे नाम भी शामिल थे।

पाकिस्तान में होने वाली बैठक से पहले भी था हमले का खतरा

ट्रम्प प्रशासन का हस्तक्षेप

रिपोर्ट के अनुसार, अब्बास अराघची और मोहम्मद बाकर गालिबाफ अमेरिका और अन्य देशों के साथ युद्धविराम तथा स्थायी शांति को लेकर बातचीत में अहम भूमिका निभा रहे थे। इसी वजह से दोनों नेताओं को कथित तौर पर इजरायल की टारगेट लिस्ट में रखा गया था। एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि जब ट्रम्प प्रशासन को गालिबाफ के निशाने पर होने की जानकारी मिली, तो उन्होंने इजरायल से ऐसा कदम नहीं उठाने को कहा।

संयुक्त राष्ट्र में शिकायत

ईरान ने इजराइल पर सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई को धमकी देने का आरोप लगाते हुए संयुक्त राष्ट्र में शिकायत दर्ज कराई है। खामेनेई के अंतिम संस्कार से पहले सेना की तैनाती बढ़ा दी गई है। कार्यक्रम में 30 देशों के प्रतिनिधि और करीब 2 करोड़ लोग शामिल हो सकते हैं। उल्लेखनीय है कि सुरक्षा को देखते हुए सर्वोच्च नेता मुज्तबा खामनेई अंतिम संस्कार कार्यक्रम में शामिल नहीं हो रहे हैं।

खंडवा-हरदा में भी बारिश का रेड अलर्ट

उज्जैन में उफान पर शिप्रा रामघाट पर कई मंदिर डूबे

उज्जैन. दोपहर मेट्रो

उज्जैन में लगातार हो रही बारिश का असर अब शिप्रा नदी पर भी दिखाई देने लगा है। नदी का जलस्तर करीब 2 से 3 फीट बढ़ गया है, जिससे रामघाट सहित कई घाटों पर बने छोटे-छोटे देवस्थल और पूजा स्थल पानी में डूब गए हैं। लगातार बारिश से बाढ़ का खतरा बना हुआ है। लोगों के घरों में पानी घूस गया है। जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त है।

इधर उज्जैन के गांवड़ी लोढ़ा गांव में गुरुवार रात करीब 8 बजे सहायक सचिव सूर्य प्रताप सिंह सोनगरा बाइक समेत खंती में बह गए। एसडीईआरएफ समेत इंगोरिया थाना पुलिस उनकी तलाश कर रही है। इससे पहले जगोटी गांव में तेज बहाव के बीच पुलिया पार करने की कोशिश में केशु आंजना मोटरसाइकिल समेत बह गया। हालांकि, कुछ दूर पेड़ की टहनियों को पकड़कर वह पानी से बाहर आ गया। उधर, पांढुर्णा में गुरुवार देर रात बारिश के चलते नदी किनारे बने 5 कच्चे मकान ढह गए। नदी के तेज बहाव में 3 बकरियों समेत घरेलू सामान बह गया।

मौसम विभाग के मुताबिक, आज खंडवा और हरदा में अति भारी बारिश का रेड अलर्ट है जबकि धार, बड़वानी, खरगोन, देवास, बुरहानपुर और बैतूल में अति भारी बारिश हो सकती है। अगले 24 घंटे में यहां 4 से 8 इंच तक पानी गिरने का अनुमान है।

हिमाचल में बारिश से 9 की मौत...देखें पेज-8

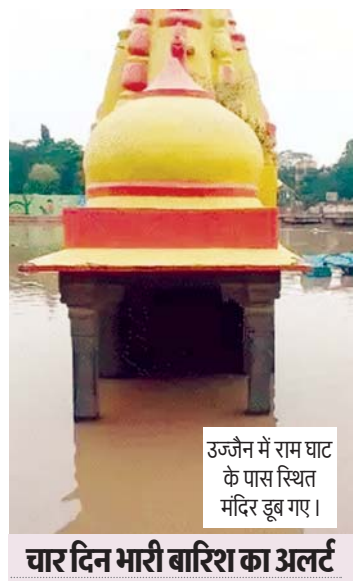

उज्जैन में राम घाट के पास स्थित मंदिर डूब गए।

चार दिन भारी बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने प्रदेश में अगले 4 दिन यानी 6 जुलाई तक अति भारी या भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। अगले 2 दिन तक रेड अलर्ट है। सीजन में पहली बार यह चेतावनी जारी की गई है।

19 जिलों में बारिश की चेतावनी - रतलाम, उज्जैन, राजगढ़, रायसेन, नर्मदापुरम, सागर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, डिंडौरी और अनूपपुर में भारी बारिश का अनुमान है। आलीराजपुर, झाबुआ, नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, इंदौर, शाजापुर, सीहोर, विदिशा, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, श्योपुर।

न्यूज विंडो

बस में धक्का लगा रहे यात्रियों को कंटेनर ने मारी टक्कर, 4 की मौत

एटा। देर रात फर्रुखाबाद से एटा आ रही एटा डिपो की रोडवेज बस एक भीषण सड़क हादसे का शिकार हो गई। जानकारी के अनुसार, रात करीब 11 बजे थाना बागवाला क्षेत्र के गांव कीलरमऊ के पास बस अचानक खराब हो गई। बस को दोबारा स्टार्ट करने के लिए करीब दस यात्री बस के पीछे धक्का लगा रहे थे, जबकि कुछ यात्री आगे खड़े थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार कंटेनर ने बस में जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण टक्कर से 4 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई।

हाथ में तिब्बती झंडा लिए युवक ने यूएन ऑफिस के बाहर खुद को लगाई आग

न्यूयॉर्क सिटी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) मुख्यालय के बाहर गुरुवार को एक 52 साल के व्यक्ति ने खुद को आग लगा ली। उसके हाथ में तिब्बती झंडा था। सूचना मिलने पर पुलिस और इमरजेंसी टीम मौके पर पहुंची। गंभीर रूप से झुलसे व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

सोनमर्ग सुरंग के पास सीआरपीएफ की गाड़ी पलटी, छह जवान घायल

श्रीनगर, एजेंसी। मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में आज सोनमर्ग (गगनगीर) सुरंग के पास केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का एक वाहन अनियंत्रित होकर सड़क से फिसल गया। इस हादसे में वाहन में सवार सीआरपीएफ के 6 जवान घायल हो गए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, गाड़ी का संतुलन बिगड़ने से वाहन सड़क से फिसल गया। इस हादसे में सीआरपीएफ के 6 जवानों को चोटें आई हैं। दुर्घटना के तुरंत बाद मौके पर राहत कार्य शुरू किया गया।

सभी घायल जवानों को दुर्घटनास्थल पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया है। इसके बाद, बेहतर और आगे के इलाज के लिए उन्हें पास के गुंड स्थित सीआरपीएफ शिविर और नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला... अविनाश शुक्ला को प्रतापगढ़ ले गई पुलिस

चोरी की रकम कहां छिपाई, होगी जांच

अयोध्या. एजेंसी

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी के आरोपी अविनाश शुक्ला को पुलिस ने 24 घंटे की कस्टडी में ले लिया है। पुलिस आज सुबह 9 बजे अयोध्या जेल पहुंची। वहां से अविनाश को लेकर प्रतापगढ़ रवाना हो गई।

अविनाश मूलरुप से प्रतापगढ़ जिले का रहने वाला है। मंदिर में चढ़ावे की गिनती का काम करता था। अयोध्या में किराए पर रहता था। उसके कमरे से 20 लाख कैश, 1000 डॉलर, गहने और रामराज कोष लिखा बक्सा मिला था।

सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ में पुलिस को पता चला है कि अविनाश ने चढ़ावे में आए सोने-चांदी के जेवर और रकम ठिकाने लगाई है। पुलिस अविनाश की निशानदेही पर उन-उन जगहों पर जा सकती है।

अविनाश शुक्ला

इधर, स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) ने आज फिर ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा और आमंत्रित ट्रस्ट सदस्य गोपाल राव को पूछताछ के लिए दोबारा बुलाया है। उनसे बैंक ब्योरा, मंदिर कर्मचारियों की जॉइनिंग से संबंधित दस्तावेज लाने को कहा है। SIT गुरुवार को दोनों से बंद कमरे में 5 घंटे पूछताछ कर चुकी है। इधर, अयोध्या विकास प्राधिकरण ने चढ़ावा चोरी के आरोपी लवकुश मिश्रा और अनुकल्प मिश्रा के नए मकान पर बुलडोजर चलाने की तैयारी कर ली है। ADA ने लवकुश की पत्नी सुप्रिया मिश्रा को नोटिस भी जारी किया है।

सक्सेस स्टोरी | **मार्केटिंग, कस्टमर एंगेजमेंट, सेल्स और कंटेंट क्रिएशन को ऑटोमेट करता है AI मॉडल**

14 की उम्र में स्टार्टअप के मालिक हैं जैनम जैन, बुर्ज खलीफा में ऑफिस

नई दिल्ली,एजेंसी

यह कहानी है भारतीय मूल के जैनम जैन की। उन्होंने 14 साल की उम्र में वो हासिल कर लिया है जो लाखों करोड़ों लोगों का सपना होता है। वह इस किशोरावस्था में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वाले एक स्टार्टअप के फाउंडर बन गए हैं। उनके स्टार्टअप का नाम 'मेंगो इंजन' है। दुबई के बुर्ज खलीफा की 141वीं मंजिल पर इसका ऑफिस है। वे दुबई के सबसे कम उम्र के एआई स्टार्टअप फाउंडर हैं। उनके नाम दो पेटेंट हैं। कुछ और पेटेंट पाइपलाइन में हैं। उन्होंने एक किताब भी लिखी है। साथ ही 1,45,000 से ज्यादा सब्सक्राइबर्स वाली YouTube कम्युनिटी बनाई है। हालांकि, इन उपलब्धियों के पीछे एक साधारण आदत है- निरंतरता।

मूल रूप से भारत में पुणे के रहने वाले जैनम जैन का एआई स्टार्टअप, बिजनेसेज को मार्केटिंग, कस्टमर एंगेजमेंट, सेल्स और कंटेंट क्रिएशन को ऑटोमेट करने में मदद के लिए डिजाइन किया गया है। एक इंटरव्यू में जैनम ने बताया कि इसकी शुरुआत तब हुई थी जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस दुनिया का पसंदीदा 'बजवर्ड' भी नहीं बना था। यह स्टार्टअप कंपनियों को मार्केटिंग और लीड मैनेजमेंट से लेकर न्यूजलेटर और कस्टमर कम्युनिकेशन तक के कामों को आसान बनाने में मदद करता है। अभी यह प्लेटफॉर्म बीटा स्टेज में है। कई व्यवसाय इसका इस्तेमाल करने का इंतजार कर रहे हैं।

'कर्ली टेल्स मिडिल ईस्ट' से बात करते हुए जैनम ने बताया कि उन्हें एंटरप्रेन्योरशिप का पहला सबक तब मिला था जब वह सिर्फ छह साल के थे। उन्होंने याद करते हुए कहा, 'मैं सिर्फ छह साल का था जब मेरे पिता मुझे अपनी पहली बिजनेस मीटिंग में ले गए थे।' उस शुरुआती अनुभव ने उनमें एक ऐसी उत्सुकता जगाई जो समय के साथ और मजबूत होती गई।

यूनिकॉर्न बनाने की ख्वाहिश

इंटरव्यू में जैनम जैन ने कहा कि उन्होंने लोगों से मिलकर, इवेंट्स में शामिल होकर और व्यक्तिगत चुनौतियां लेकर यह समझना शुरू किया कि बिजनेस कैसे काम करते हैं। पारंपरिक तौर-तरीकों से पढ़ने के बजाय जैनम जैन ने सीखने का अलग रास्ता चुना। इससे उन्हें अपने एंटरप्रेन्योर बनने के सपनों को पूरा करने के लिए ज्यादा समय मिला।वह एक ऐसी यूनिकॉर्न कंपनी बनाना चाहते हैं जिसका दुनिया भर में असर हो।

दिलचस्प यह है कि 10 साल की उम्र से ही उन्होंने खुद को '50-दिन की चुनौतियां' (50-डे चैलेंजेस) पूरी करने की चुनौती दी। इसमें 50 किताबें पढ़ना, 50 नेटवर्किंग इवेंट्स में शामिल होना और एंटरप्रेन्योर्स से मिलने और उनसे सीखने के लिए पूरे भारत में लगभग 6,000 किमी की यात्रा करना शामिल है।

आज का कार्टून

कहीं हुई जोरदार बारिश तो कहीं छाई काली घटाएं

भोपाल। शहर में बीते दिन खंड बारिश दर्ज हुई। संत हिरदाराम नगर में 9 मिलीमीटर तो अरेरा हिल्स में 18 मिमी बारिश दर्ज हुई। वहीं नर्मदापुरम मार्ग, कटारा हिल्स, मिसरोद क्षेत्र में सिर्फ काली घटाएं छाई रहीं। मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बनने वाले सीजन के पहले लो प्रेशर एरिया व पश्चिमी विक्षोभ के चलते मप्र के अधिकांश हिस्सों में 5 दिन जोरदार बारिश हो सकती है।

न्यूज विंडो

स्वर्ण पदक जीतने वाले दिव्यांगजनों को मिलेगा 10 लाख का पुरस्कार

भोपाल, दोपहर मेट्रो । प्रदेश सरकार ने राज्य दिव्यांग निधि के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतने वालों को 10 लाख रुपए मिलेंगे। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा दी जाने वाली इस निधि का उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तियों को खेल, शिक्षा, स्वास्थ्य, कला, संस्कृति और नवाचार जैसे क्षेत्रों में आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है। सरकार ने यह कदम इसलिए उठाया क्योंकि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मध्य प्रदेश तथा भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले कई प्रतिभाशाली दिव्यांग खिलाड़ी और कलाकार आर्थिक अभाव से जूझने की खबरें सामने आई हैं। अब तक ऐसे लोगों के लिए व्यवस्थित सहायता प्रणाली उपलब्ध नहीं थी। नई योजना में ऐसे दिव्यांगजनों को समय पर वित्तीय सहयोग उपलब्ध कराना है। इससे उन्हें अपने कौशल को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। पात्र लाभार्थी अब विभाग के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। जिससे सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक सरल और पारदर्शी होगी।

बच्चों के लिए छात्रवृत्ति आवेदन 31 अक्टूबर तक भरे जा सकेंगे

भोपाल। श्रमिक परिवारों के बच्चों की शिक्षा को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा संचालित छात्रवृत्ति योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। योजना के अंतर्गत बीड़ी एवं खदान श्रमिकों के अध्ययनरत संतानों को स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा तक वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। उच्च शिक्षा विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए छात्रवृत्ति आवेदन राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एनएसपी) पर एक जून से प्रारंभ हो चुके हैं। पात्र विद्यार्थी 31 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। वहीं मध्यप्रदेश सरकार ने जनजातीय छात्रावास एवं आश्रमों में रहने वाले अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को बड़ी राहत देते हुए शिष्यवृत्ति की राशि बढ़ा दी है। 1 जुलाई 2026 से लागू होने वाली नई दरों के अनुसार छात्राओं को 1,770 रुपये प्रतिमाह तथा छात्रों को 1,720 रुपये प्रतिमाह शिष्यवृत्ति मिलेगी।

अब डिजिटलीकरण से भूमि रिकॉर्ड प्राप्त करना होगा आसान

भोपाल। प्रदेश के नागरिकों को भूमि संबंधी सरकारी अभिलेखों की सहज, त्वरित और पारदर्शी उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ पुराने भू-अभिलेखों के सुरक्षित संरक्षण के लिए डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के तहत प्रदेश में चरणबद्ध रूप से डिजिटाइजेशन का कार्य किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के माध्यम से राज्य के लगभग 15 करोड़ पुराने भू-अभिलेख रिकॉर्ड का आधुनिकीकरण किया जाएगा, जिसके लिए दस्तावेज प्रबंधन प्रणाली और डीबीईएस सॉफ्टवेयर विकसित किए जा रहे हैं।

राजधानी में रोजाना हो रहे आधा दर्जन सड़क हादसे, पुलिस मौन

हेलमेट चेकिंग के नाम पर सिर्फ रात में सड़कों पर दिखती है पुलिस, तेज गति पर नहीं लगा अंकुश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आधी रात सड़क पर दौड़ने वाले चार पहिया वाहनों की बजाय सिर्फ दो पहिया वाहन चालकों को निशाना बनाया जा रहा है। शहर में कई स्थानों पर बैरीकेड लगाकर आधी रात वाहन चैकिंग की जा रही है। जिसमें हेलमेट नहीं पहनने वाले चालकों और वाहन नंबर की तस्वीर खींचकर उन्हें घर भेज दिया जा रहा है। इन नई व्यवस्था को लेकर मैदानी कर्मचारियों में भी काफी रोष है। रोजाना लगभग आधा दर्जन रोज हो रहे हैं।

राजधानी में अमूमन हर बड़ी दुर्घटना रात को चार पहिया वाहनों से हो रही है। इसके बावजूद उनकी रफ्तार पर अंकुश लगाने की बजाय पुलिस थानों की तरफ से चैकिंग पाइंट लगाकर सिर्फ दो पहिया वाहन चालकों को रोककर उनके हेलमेट नहीं पहनने के चालान काटे जा रहे हैं। यह चालान ऑनलाइन काटे जा रहे हैं। इसके लिए जहांगीराबाद स्थित लिली टॉकीज, पुलिस नियंत्रण कक्ष के पास, शौर्य

स्मारक और चूना भट्टी चौराहे पर नियमित पाइंट बनाया गया है। इस दौरान टीटी नगर थाना क्षेत्र के तरुण पुष्कर समेत अन्य स्थानों पर दिन के हिसाब से थानों को वाहन चैकिंग का लक्ष्य रात दस बजे के बाद दिया जा रहा है। इन तमाम प्रयासों के बावजूद शहर में चोरियों की वारदातों में कोई कमी नहीं है। कोलार रोड स्थित दानिश कुंज कॉलोनी में एक पखवाड़े के भीतर चार घरों में चोरियां हो चुकी हैं। वहीं जहांगीराबाद इलाके में रविवार को एक महिला से झांसा देकर जेवरात उतरवा लिए गए। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण ही दर्ज नहीं किया। इसी तरह शहर के चार स्वर्ण आभूषण कारोबारियों से सायबर क्राइम का पैसा खपाकर दो पहिया वाहन से आए आरोपी लाखों रुपए का माल खरीदकर ले गए। इधर, पिपलानी, अवधपुरी, शाहपुरा क्षेत्र में खुलेआम डंपरों की आवाजाही पर रोकटोक नहीं हैं। पुलिस की बेतरतीब योजना के क्रियान्वयन से सामान्य नागरिकों को हो रही असुविधा के संबंध में कमिश्नर संजय कुमार से प्रतिक्रिया लेने का प्रयास किया गया। वे विषय को जानने के बावजूद बातचीत के लिए उपलब्ध नहीं हो सके।

यातायात पुलिस के पास सिर्फ एक इंटरसेप्टर

उधर, चार पहिया वाहनों की रफ्तार को मापने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए यातायात पुलिस के पास सिर्फ एक इंटरसेप्टर वाहन है। इसी वाहन की मदद से पूरी राजधानी में घुम-घुमकर चालानी कार्रवाई की जाती है। यह वाहन मिसरोद, गांधी नगर, अयोध्या बायपास, स्मार्ट सिटी रोड समेत अन्य स्थानों पर खड़ा होता है। इसमें तैनात कर्मचारी प्रशिक्षित होने के साथ नहीं बदला जाता है। इसके अलावा सीसीटीएनएस के तहत लगाए गए कैमरों से भी वाहन चालकों पर पुलिस निगरानी रखती है। पुलिस इन कैमरों की मदद से बिना हेलमेट, सीट बेल्ट के चालान बनाकर पंजीकृत वाहन मालिकों के पते पर भेजती है। इनके भुगतान ऑनलाइन किए जाते हैं। इसके अलावा यातायात नियंत्रण कक्ष में पहुंचकर भी जमा करने के लिए काउंटर लगाया गया है।

नोटिस के बाद भी नहीं माने दो कोचिंग सेंटर सील

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर में कोचिंग संस्थानों, अस्पतालों और नर्सिंग होम्स में फायर सेफ्टी के इंतजामों को लेकर संस्थान गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं। आलम यह है कि निगम की टीम जब मियाद खत्म होने वाले संस्थानों में दोबारा पहुंची, तो वही खामियां मिलीं जो नोटिस के दौरान मिली थीं। यानी, संस्थानों ने नगर निगम के नोटिस को गंभीरता से नहीं लिया। नोटिस को हल्के में लेने और छात्रों की जान से खिलवाड़ करने वाले ऐसे ही दो संस्थानों, यूएन एकेडमी (अनअकैडमी) और दुर्गानी कोचिंग क्लासेस (एमपी नगर जोन-2) पर गुरुवार को नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उनके भवनों को सील (तालाबंदी) कर दिया। निगम ने 25 जून से 29 जून तक 5 दिनों में 61 संस्थानों को नोटिस जारी किए थे, लेकिन इनमें से अब तक सिर्फ 9 ने ही जवाब दिया है। शुक्रवार को 6 अन्य संस्थानों को दिए नोटिस की मियाद खत्म हो रही है। इसके बाद इंद्रपुरी और लालघाटी समेत अन्य इलाकों में सीलिंग कार्रवाई होगी।

4 जुलाई - जिन संस्थानों को 29 जून को नोटिस दिए गए थे, उनकी समय-सीमा 4 जुलाई को समाप्त हो रही है। इसके बाद वहां भी कार्रवाई की जाएगी।

यांत्रिकी शाखा के 11 अधिकारियों के बदले प्रभार

नगर निगम में बड़ा बदलाव : अब एक ही अधिकारी संभालेगा पूरे क्षेत्र की कमान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नगर निगम की कार्यप्रणाली अब नए ढंग से संचालित होगी। पहली बार विधानसभावार प्रशासनिक मॉडल लागू करते हुए स्वास्थ्य, स्वच्छता, राजस्व और संपत्ति कर जैसे प्रमुख विभागों का एकीकरण कर दिया है। नई व्यवस्था के तहत प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जो इन सभी विभागों के कार्यों की निगरानी और जवाबदेही संभालेगा।

निगम का दावा है कि इससे फैसले तेजी से होंगे और नागरिकों की समस्याओं का समाधान एक ही स्तर पर हो सकेगा। हालांकि, इस बदलाव के साथ यह सवाल भी उठने लगा है कि आम नागरिक अपनी शिकायत लेकर आखिर किस अधिकारी के पास जाएं। नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन के आदेश के बाद अतिरिक्त आयुक्त से लेकर उपयंत्री स्तर तक अधिकारियों के प्रभार में व्यापक बदलाव किए गए हैं। इंजीनियरिंग शाखा में 11 इंजीनियरों का स्थानांतरण किया गया है, जबकि कई अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। अतिरिक्त आयुक्त अभिषेक सिंह को मुख्यमंत्री अधोसंरचना, सड़क मरम्मत, अतिक्रमण और हुजूर विधानसभा क्षेत्र का नोडल अधिकारी बनाया गया है। वहीं उपायुक्त भुवन गुप्ता को भवन अनुज्ञा, कॉलोनी सेल, अग्निशमन व आपदा प्रबंधन के साथ गोविंदपुरा विस क्षेत्र का दायित्व सौंपा है। सहायक आयुक्त विजय तिवारी व प्रियंका सिंह को अलग विधानसभा क्षेत्रों में स्वच्छता, स्वास्थ्य, राजस्व और संपत्ति कर की संयुक्त जिम्मेदारी दी गई है।

इंजीनियरिंग शाखा में अधीक्षण अभियंता संतोष गुप्ता को परियोजना विंग, स्वच्छ भारत मिशन और उद्यान शाखा का प्रभार सौंपा है, जबकि हिरेंद्र कुशवाहा स्वच्छ भारत मिशन के कार्यों में सहयोग करेंगे। नगर निगम का मानना है कि विभागों के एकीकरण से जवाबदेही तय होगी और अलग-अलग विभागों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

नगर निगम के अधिकारियों की लापरवाही, 2019 के बाद नहीं हुआ सर्वे

शहर की 732 जर्जर इमारतें बनीं खतरा भारी बारिश में कभी हो सकता है हादसा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी मे 732 इमारतों की हालत खराब है। ये कभी भी गिर सकते हैं। ये आंकड़े 2019 के सर्वे के है। इसके बाद सर्वे ही नहीं हुआ। ये जर्जर मकान एमपी हाउसिंग बोर्ड, बी डी ए और नगर निगम के है। मिली जानकारी के अनुसार राजधानी भोपाल में जर्जर इमारतों का मुद्दा एक बार फिर चिंता का विषय बन गया है।

नगर निगम और बिल्डिंग परमिशन शाखा ने सबसे पहले वर्ष 2016 में शहर की जर्जर इमारतों का सर्वे कराया गया था, जिसमें 732 भवनों को खतरनाक और जर्जर श्रेणी में चिन्हित किया था। इसके बाद वर्ष 2017 और 2018 में भी सर्वे की प्रक्रिया की गई,

लेकिन जानकारों का आरोप है कि यह केवल औपचारिकता बनकर रह गई और जमीनी स्तर पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो सकी। भोपाल में जार्जर इमरतों को लेकर नगर निगम हाउसिंग बोर्ड कॉरपोरेशन और भोपाल विकास प्राधिकरण हर साल बड़े बड़े दवे करता है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और है। कई बार जार्जर इमारतें बारिश में जमींदोज हो जाती है। जानकारी के अनुसार, वर्ष 2016 से 2018 के बीच नगर निगम ने कुछ कार्रवाई करते हुए करीब 3 दर्जन जर्जर निर्माणों को ध्वस्त किया था। सबसे चिंताजनक बात यह है कि वर्ष 2019 के बाद से जर्जर इमारतों का कोई व्यापक सर्वे नहीं कराया गया है। ऐसे में शहर में वर्तमान में कितनी इमारतें खतरनाक स्थिति में हैं, इसका सटीक आंकड़ा प्रशासन के पास भी नहीं है। इस दौरान कई भवन और अधिक जर्जर हो चुके हैं, जबकि कुछ नए निर्माण भी समय के साथ कमजोर स्थिति में पहुंच गए हैं।

मेट्रो एंकर

बढ़ती खरीदारी... चालू वर्ष में अब तक रिकार्ड 76 हजार वाहन हुए पंजीबद्ध

पेट्रोल-डीजल की चिंता के बीच ईवी बने पसंदीदा विकल्प

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बढ़ती महंगाई, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और ईंधन संकट के बावजूद वाहनों की खरीद में बनी तेजी यह दर्शाती है कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था में उपभोग क्षमता बरकरार है। साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती स्वीकार्यता प्रदेश के परिवहन क्षेत्र में एक सकारात्मक बदलाव का संकेत है। दरअसल प्रदेश में नए वाहनों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। राज्य में वाहन खरीदी में वृद्धि का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पिछले साल 2025 में कुल 1.39 लाख वाहनों के पंजीयन किये गये थे। वर्ष 2026 के शुरुआती पांच माह में

करीब 76 हजार वाहनों का पंजीयन हो चुका है। इनमें दो पहिया वाहनों की संख्या 57 हजार से अधिक है। इससे पता चलता है कि निम्न मध्यम या मध्यम वर्ग की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है।

इस संदर्भ में खास बात यह निकलकर सामने आयी है कि इस साल कुल पंजीबद्ध किये गये दोपहयिा और चार पहिया वाहनों में इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या तुलनात्मक रूप से बढ़ी है। यह एक सकारात्मक संकेत है। पेट्रोल और डीजल की चल रही।परिवहन विभाग की आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2026 में कुल वाहनों के पंजीयन में पिछले वर्ष की तुलना में अब तक करीब 59 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। साफ है कि शहरी क्षेत्रों में वाहनों की मांग लगातार बढ़ रही है। इस साल 1 जनवरी से 31 मई के बीच प्रदेश में 55,940 इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का पंजीयन हुआ, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह संख्या 35,183 थी। बता दें राजधानी के कई पेट्रोल पंप पेट्रोल और डीजल की कम सप्लाई की समस्या से जूझ रहे हैं। बाजार में जितनी मांग है, उतना ईंधन उपलब्ध नहीं है। भोपाल पेट्रोल एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय सिंह के अनुसार प्रदेश में पेट्रोल और डीजल की खपत में कोई कमी नहीं आई है। मध्यप्रदेश में सालाना लगभग 1200 मीट्रिक टन पेट्रोल और 1600 मीट्रिक टन डीजल की खपत होती है, लेकिन वर्तमान में मांग के अनुरूप आपूर्ति नहीं मिल पा रही है।

दिन दहाड़े हत्या के 5 आरोपियों को आजीवन कारावास

भोपाल। भोपाल की बैरसिया तहसील के अपर सत्र न्यायाधीश पवन कुमार बांदिल ने पांच साल पूर्व गुनगा इलाके में हुए नृशंस हत्या के मामले में पांच आरोपियों को दोषी माना है। दोषियों को न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके अलावा अलग-अलग अन्य दो धाराओं में भी सजा दी है। सभी आरोपियों को 52 हजार रुपए का अर्थदंड भी सुनाया है। घटना एक नाबालिग के अपहरण को लेकर चल रहे विवाद के चलते हुई थी। न्यायालय की तरफ से बताया गया कि घटना 14 जुलाई, 2021 को हुई थी। घटना गुनगा थाना क्षेत्र में स्थित उचित मूल्य की दुकान के सामने हुई थी। इस मामले में आरोपियों बृजेंद्र सिंह यादव, केशर सिंह यादव, दीप सिंह यादव, मलखान सिंह यादव और सोनू यादव को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। इन्हीं पांचों दोषियों को हत्या के प्रयास के मामले में भी सात-सात वर्ष कारावास और बलवा के मामले में एक-एक साल की सजा सुनाई गई। दोषियों में शामिल केशर सिंह यादव और दीप सिंह यादव को अवैध हथियार रखने के मामले में भी दो-दो साल की सजा भी सुनाई गई। सभी आरोपियों को न्यायालय ने 52 हजार रुपए अर्थदंड की सजा भी दी है।

15 जुलाई तक स्कूल चलो अभियान में तेज करें काम, मुख्यमंत्री के निर्देश

प्राथमिकता वाले सभी काम समय-सीमा में पूरे करें, अभियान चलाकर हासिल करें टारगेट

समय पाबंदी के लिए मंत्रालय, सतपुड़ा और विंध्याचल में लगाई जाएंगी बॉयोमेट्रिक मशीन

भेल से भूमि वापस लेने के लिए केंद्र सरकार से करें समन्वय

ग्रामीण क्षेत्रों आबादी की निःशुल्क रजिस्ट्री के लिए चलेगा अभियान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि राज्य शासन की प्राथमिकता वाले सभी विषयों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और अभियान चलाकर तय लक्ष्यों को समयसीमा में पूरा किया जाए। मंत्रालय में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि प्रदेश में संचालित स्कूल चलो अभियान के दौरान 15 जुलाई तक अधिक से अधिक सांदीपनि विद्यालय भवनों का लोकार्पण और स्कूलों का युक्तियुक्तकरण किया जाए, ताकि विद्यार्थियों को इसी शैक्षणिक सत्र से बेहतर सुविधाओं का लाभ मिल सके।

सांदीपनि विद्यालय की राष्ट्रीय स्तर पर होगी ब्रांडिंग

मुख्यमंत्री ने कहा कि सांदीपनि विद्यालय प्रदेश का एक बड़ा और उत्कृष्ट नवाचार है। उन्होंने स्कूल शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि इसकी राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर ब्रांडिंग के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाए। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा संचालित स्कूलों का युक्तियुक्तकरण कर शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया जाए। छात्रावासों को भी एकीकृत कर समरसता छात्रावास के रूप में विकसित करने पर जोर दिया गया।

यूनियन कार्बाइड भूमि पर स्मारक बनाने की तैयारी

मुख्यमंत्री ने भोपाल स्थित भेल को आवंटित अनुपयोगी भूमि वापस लेने के लिए केंद्र सरकार के भारी उद्योग मंत्रालय से समन्वय कर जल्द कार्रवाई करने के निर्देश दिए। वहीं यूनियन कार्बाइड की रासायनिक कचरे से मुक्त भूमि पर भव्य स्मारक विकसित करने के लिए एप्को को कार्ययोजना तैयार करने और गुजरात के भुज स्थित संग्रहालय का अध्ययन कर प्रस्ताव प्रस्तुत करने को कहा।

धार्मिक स्थलों के विकास में तेजी लाने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने चित्रकूट के विकास कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने सती अनुसुईया मंदिर परिसर, मल्टी फैसिलिटी सेंटर और गुप्त गोदावरी मंदिर परिसर के निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करने को कहा। साथ ही मंदाकिनी नदी जोड़ो परियोजना को अंतिम रूप देने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के साथ जल्द बैठक होने की जानकारी दी। अमरकंटक, ओंकारेश्वर, महेश्वर, दतिया, ओरछा और मैहर सहित प्रमुख धार्मिक स्थलों पर धर्मशाला, सराय, अन्न क्षेत्र, प्याऊ, अस्पताल और अन्य सार्वजनिक सुविधाओं के निर्माण के लिए सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं को रजिस्ट्री शुल्क में छूट, अनुदान और अन्य रियायतें देने के सुझाव भी दिए।

ग्रामीण रजिस्ट्री, मंदिर सुरक्षा और पुलिस भर्ती पर भी अहम फैसले | मुख्यमंत्री ने 53 हजार गांवों में आबादी भूमि की निःशुल्क रजिस्ट्री के लिए विशेष अभियान चलाने और गांव-गांव शिविर लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने मंदिरों में श्री महाकालेश्वर मंदिर की तर्ज पर होमगार्ड्स के पद सृजित करने तथा अग्निवीरों को मध्यप्रदेश पुलिस के विशेष सशस्त्र बल में आरक्षक पदों पर भर्ती में 20 प्रतिशत आरक्षण देने की प्रक्रिया जल्द पूरी करने को कहा।

बायोमेट्रिक उपस्थिति और विकास परियोजनाओं पर सख्ती

मुख्यमंत्री ने सभी शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए मंत्रालय सहित प्रमुख कार्यालयों में बायोमेट्रिक अटेंडेंस लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने राम वन गमनपथ, श्रीकृष्ण पाथेय, चित्रकूट, ममलेश्वर और उज्जैन के नए हवाई अड्डे सहित सभी प्रमुख विकास परियोजनाओं को तय समयसीमा में पूरा करने पर जोर दिया। बैठक के अंत में मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को स्पष्ट संदेश दिया कि प्रत्येक लक्ष्य के लिए कार्ययोजना बनाकर त्वरित कार्रवाई की जाए और प्रगति की नियमित समीक्षा सुनिश्चित की जाए।

शिक्षा विभाग में ऑनलाइन ट्रांसफर के दावों की खुली पोल

ग्वालियर में 240 में से 24 शिक्षकों का तबादला मंत्री की सिफारिश पर किया गया

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो

जिला शिक्षा विभाग में शिक्षकों की तबादला प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, लेकिन इसके साथ ही विभाग के पूर्णतः ऑनलाइन और पारदर्शी होने के दावों की पोल भी खुल गई है। जिले में प्राथमिक कक्षाओं से लेकर हायर सेकेंडरी स्कूलों के शिक्षक और प्राचार्यों सहित कुल 240 शिक्षकों के ट्रांसफर किए गए हैं। विभागीय स्तर पर लगातार बताया जा रहा था कि पूरी ट्रांसफर प्रक्रिया डिजिटल और हस्तक्षेप से मुक्त है। लेकिन कुल तबादलों में से 24 शिक्षकों के ट्रांसफर सीधे तौर पर जिले के प्रभारी मंत्री की अनुशंसा पर किए गए हैं, जिसने इस पूरी ऑनलाइन व्यवस्था की शुचिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सूची, विभाग ने पोर्टल पर चढ़ाई- शासन के नियमानुसार, इस ट्रांसफर प्रक्रिया में केवल उन्हीं शिक्षकों का तबादला होना था जिनका विभाग चाहे या फिर जिन्होंने स्वयं ऑनलाइन पोर्टल पर जाकर आवेदन किया था। पूरी मैरिट और पात्रता पोर्टल के जरिए ही तय होनी थी। सूत्रों के मुताबिक प्रभारी मंत्री के यहां से 24 चहेते शिक्षकों की एक सूची जिला शिक्षा विभाग कार्यालय भेजी गई। इसके बाद विभागीय अधिकारियों के निर्देश पर कार्यालय के कर्मचारियों ने इन नामों को सीधे पोर्टल पर फीड कर दिया। यानी जिन शिक्षकों ने सामान्य प्रक्रिया के तहत आवेदन भी नहीं किया था, उनके ट्रांसफर हो गए।

पारदर्शिता पर उठे सवाल

इस दोहरी व्यवस्था को लेकर जिले के आम शिक्षकों और शिक्षक संगठनों में आक्रोश है। कई पात्र शिक्षक लंबे समय से गंभीर बीमारियों, पारिवारिक कारणों या म्यूचुअल ट्रांसफर के तहत आनलाइन आवेदन कर अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे, लेकिन उन्हें निराशा हाथ लगी। शिक्षकों का कहना है कि यदि अनुशंसा और ऑफलाइन सूचियों के आधार पर ही ट्रांसफर होने थे, तो ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया क्यों की गई।

78 कार्यालय सहायक ग्रेड- तीन प्रशिक्षुओं की नियुक्ति

भोपाल। मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड भोपाल द्वारा मानव संसाधन सुदृढ़ीकरण एवं युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए कार्यालय सहायक ग्रेड-तीन के 78 प्रशिक्षुओं की नई भर्ती एवं नियुक्ति की गई है। नवनियुक्त सभी 78 कार्यालय सहायक ग्रेड-तीन प्रशिक्षुओं ने 29 मई को पावर डिस्ट्रीब्यूशन ट्रेनिंग सेंटर , भोपाल में कार्यभार ग्रहण कर प्रारंभिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रारंभिक प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरांत उन्हें कंपनी के विभिन्न शहर एवं संचालन-संधारण वृत्तों में प्रशिक्षण के शेष मॉड्यूल पूर्ण करने के लिये पदस्थ किया गया है।

दतिया उपचुनाव: राजनीतिक सरगर्मी हुई तेज

विधानसभा में ब्राह्मण व जाटव बराबर ओबीसी मतदाओं की संख्या 95 हजार

कांग्रेस से भारती बेटे को उतारने के मूड में, नायक त्याग के बदले मांग रहे टिकट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

दतिया विधानसभा सीट पर 30 जुलाई को वोटिंग होगी। चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के बाद दतिया में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। कांग्रेस में जहां टिकट के लिए उम्मीदवारों के बीच आंतरिक रेस चल रही है। वहीं बीजेपी से पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा और आजाद समाज पार्टी (से दामोदर यादव के नाम पार्टी में सिंगल दावेदारों में शामिल हैं। दतिया विधानसभा सीट पर चुनाव जीत हार में दो समाज सबसे ज्यादा हैं ब्राह्मण और जाटव। समाज के बराबर-बराबर और सबसे ज्यादा वोटर हैं। ओबीसी वर्ग ही दतिया सीट पर आधे से ज्यादा यानी 53त्न के करीब है। मतदाताओं के अनुमानित आंकड़ों से पता चलता है कि दतिया में सबसे बड़ा वोट बैंक अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का है। इसके बाद सामान्य वर्ग और अनुसूचित जाति के मतदाता आते हैं। हालांकि चुनावी रणनीतिकारों का मानना है कि केवल किसी एक वर्ग के सहारे जीत संभव नहीं है, बल्कि ब्राह्मण, अहिरवार, यादव, कुशवाहा, लोधी और मुस्लिम वोट जिस तरफ जाएंगे वही से जीत-हार तय होगी। पिछले चुनावों में भी मुकाबला बेहद करीबी रहा है और 2023 में कांग्रेस ने भाजपा को 7,742 वोटों से हराया था।

ओबीसी के बिना बढ़त बनाना मुश्किल

अनुमान के अनुसार दतिया विधानसभा में ओबीसी मतदाताओं की संख्या करीब 95 हजार है, जो कुल मतदाताओं का सबसे बड़ा हिस्सा है। इस वर्ग में यादव और कुशवाहा-काछी लगभग 16-17 हजार-16-17 हजार, लोधी करीब 15 हजार, बघेल-पाल लगभग 10 हजार तथा अन्य ओबीसी मिलाकर करीब 20 हजार मतदाता हैं। इसलिए कोई भी दल ओबीसी में बढ़त बनाए बिना चुनावी बढ़त हासिल करना मुश्किल मानता है।

अहिरवार और ब्राह्मण सबसे प्रभावशाली एकल जातियां | जातिवार आंकड़ों के मुताबिक दतिया में दो सबसे बड़ी एकल जातियां ब्राह्मण और अहिरवार/चमार हैं। दोनों की अनुमानित संख्या करीब 33-33 हजार है।

भाजपा परंपरागत रूप से ब्राह्मण मतदाताओं में मजबूत मानी जाती रही है, जबकि कांग्रेस का प्रभाव अनुसूचित जाति, विशेषकर अहिरवार समाज में रहा है। ऐसे में इन दोनों वर्गों का रुझान पूरे चुनाव की दिशा बदल सकता है।

सामान्य वर्ग भी निर्णायक | सामान्य वर्ग के मतदाताओं की अनुमानित संख्या करीब 60 हजार है। इनमें ब्राह्मण सबसे अधिक हैं। इसके अलावा बनिया, राजपूत, कायस्थ और सिंधी समाज भी प्रभावशाली संख्या में मौजूद हैं। यदि सामान्य वर्ग का वोट किसी एक दल के पक्ष में एकजुट होता है तो मुकाबला एकतरफा भी हो सकता है।

कांग्रेस में केंडिडेट की रेस

दतिया सीट के कांग्रेस विधायक राजेन्द्र भारती के अयोग्य ठहराए जाने के बाद उपचुनाव के लिए कांग्रेस में केंडिडेट के लिए घमासान छिड़ा हुआ है। राजेन्द्र भारती अपने बेटे अनुज को टिकट दिलाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहे हैं। वहीं 2023 के चुनाव के पहले बीजेपी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए पाठ्यपुस्तक निगम के पूर्व उपाध्यक्ष अवधेश नायक भी टिकट के लिए दमखम लगा रहे हैं।

भोपाल बड़े तालाब सीमांकन में गड़बड़ी

18 जून के पंचनामे पर उठे सवाल, मुनारें भी हुईं गायब, अब पुराने रिकॉर्ड से हटेगा अतिक्रमण

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बड़े तालाब के फुल टैंक लेवल (एफटीएल) के 50 मीटर दायरे में चिह्नित अतिक्रमणों के 18 जून को हुए सीमांकन पर सवाल उठने और उसमें शामिल दो सहायक यंत्रियों को कारण बताओ नोटिस जारी होने के बाद निगम ने अपनी रणनीति बदल ली है। अब झील संरक्षण प्रकोष्ठ द्वारा पूर्व में कराए गए सीमांकन को कार्रवाई का आधार बनाने का फैसला किया है।

जानकारी के अनुसार, अब नगर निगम ने स्पष्ट कर दिया है कि अतिक्रमणों पर आगे की कार्रवाई झील संरक्षण प्रकोष्ठ द्वारा कराए गए सीमांकन

के आधार पर ही की जाएगी। दरअसल, जिला प्रशासन और नगर निगम ने फरवरी-मार्च 2026 में सर्वे कर बड़े तालाब के एफटीएल के 50 मीटर दायरे में करीब 400 अतिक्रमण चिह्नित किए थे। इनमें से छह लोगों ने आपत्ति दर्ज कराई थी कि उनके सामने सीमांकन नहीं हुआ।

इसके बाद 18 जून को राजस्व अमले की मौजूदगी में दोबारा सीमांकन कराया गया। इसमें कृष्णा घाड़गे के फार्म हाउस सहित कुछ निर्माणों को एफटीएल सीमा से बाहर बताया गया। इस पंचनामे पर भवन अनुज्ञा शाखा के सहायक यंत्री प्रदीप कुमार जड़िया और झील संरक्षण प्रकोष्ठ के तत्कालीन सहायक यंत्री आदित्य खरे ने हस्ताक्षर किए थे। एनजीटी प्रकरण की समीक्षा में निगम आयुक्त ने पाया कि पंचनामे में दर्ज तथ्य झील संरक्षण प्रकोष्ठ के रिकार्ड से मेल नहीं खाते। साथ ही निगम अधिकारियों ने रिकॉर्ड के विपरीत तथ्यों पर आपत्ति दर्ज नहीं कराई और न ही भोज वेटलैंड संरक्षण से जुड़े मामले में निगम का पक्ष रखा। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए दोनों सहायक यंत्रियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

दोनों सहायक यंत्रियों ने तैयार किए अपने जवाब

नोटिस मिलने के बाद दोनों सहायक यंत्रियों ने अपने जवाब तैयार कर लिए हैं। उनका कहना है कि पुराने सीमांकन का विधिवत प्रमाणीकरण उपलब्ध नहीं है। साथ ही 18 जून को हुआ सीमांकन राजस्व अधिकारियों की मौजूदगी में किया गया था और पंचनामा सभी संबंधित अधिकारियों की सहमति से तैयार हुआ था।

उज्जैन का त्रिनेत्र मॉडल शहरों की सुरक्षा एवं स्मार्ट निगरानी व्यवस्था का बनेगा आधार

भोपाल। उज्जैन ने डिजिटल गवर्नेंस के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है। जयपुर के राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित 2 दिवसीय 29वें राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सम्मेलन में श्री महाकालेश्वर मंदिर में लागू किए गए एआई-आधारित एकीकृत निगरानी तंत्र त्रिनेत्रको राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 के अंतर्गत प्रतिष्ठित स्वर्ण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उज्जैन कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त किया। कलेक्टर श्री रौशन कुमार ने उज्जैन जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए पुरस्कार प्राप्त किया।

सहकारिता आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगी सहकारिता प्रदर्शनी : सारंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार की स्थापना के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सहकारी सप्ताह के अंतर्गत मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय सहकारी प्रदर्शनी का शुभारंभ सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने किया।

सारंग ने कहा कि 29 जून से 5 जुलाई तक पूरे मध्यप्रदेश में 'सहकारी सप्ताह' का आयोजन किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों के

माध्यम से सहकारिता की अवधारणा को जन-जन तक पहुँचाया जा रहा है। राज्य स्तरीय सहकारी प्रदर्शनी भी इसी श्रृंखला का महत्वपूर्ण आयोजन है। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी सहकारिता से जुड़े सभी प्रमुख आयामों की व्यापक झलक प्रस्तुत करती है। इसके माध्यम से प्रदेश में सहकारिता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों, उपलब्धियों, नवाचारों और योजनाओं का प्रभावी प्रदर्शन किया गया है। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्थाएँ नवाचार के माध्यम से जो गुणवत्तापूर्ण उत्पाद तैयार कर रही हैं, उनका प्रदर्शन भी इस प्रदर्शनी में किया जा रहा है। इससे सहकारी संस्थाओं को नए बाजार उपलब्ध होंगे, उत्पादों का प्रचार-प्रसार होगा तथा प्रदेश में सहकारिता आंदोलन को और अधिक मजबूती मिलेगी।

इंदौर में 2,245 करोड़ के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र को निवेश एवं निर्यात आधारित औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। इंदौर स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एसइजेड) की यूनिट अप्रूवल कमेटी (यूएसी) की बैठक हुई। बैठक में कुल 2,245.50 करोड़ के निवेश प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई। इन निवेशों से इंदौर एसईजेड की पहचान देश के प्रमुख फार्मास्यूटिकल एवं निर्यात-उन्मुख विनिर्माण हब के रूप में और अधिक सुदृढ़ होगी। प्रदेश के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी

इन परियोजनाओं से लगभग 1,910 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे एवं उत्पादन प्रारंभ से पांच वर्षों में लगभग 20,433 करोड़ का निर्यात होना प्रस्तावित है। एसईजेड में पूर्व से ही फार्मास्यूटिकल, फूड प्रोसेसिंग, टेक्निकल टेक्सटाईल, इंजीनियरिंग एवं मेटल एवं अलाय उत्पादों का निर्यात किया जा रहा है। बैठक में हिमांशु प्रजापति, कार्यकारी संचालक, एमपी इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कार्पोरेशन (एमपीआइडीसी), आयकर विभाग एवं सीमा शुल्क विभाग के प्रतिनिधियों के साथ-साथ संबंधित कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक डेवलपमेंट कमिश्नर एसईजेड अभिषेक शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। हिमांशु प्रजापति ने बताया कि इन निवेशों से इंदौर एसईजेड की पहचान देश के प्रमुख फार्मास्यूटिकल एवं निर्यात-उन्मुख विनिर्माण हब के रूप में और अधिक सुदृढ़ होगी। प्रदेश के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी।

डिजिटल जंग में बड़ी पहल

प्रदेशभर के स्कूलों में गूंजा 'साइबर शपथ' का संदेश

'सेफ क्लिक 2.0' के तहत लाखों छात्रों ने ली साइबर सुरक्षा की शपथ

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में साइबर अपराधों के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के लिए राज्यव्यापी ÷सेफ क्लिक 2.0÷ अभियान के तहत बुधवार को एक बड़ा जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के निर्देशन में चल रहे इस अभियान के अंतर्गत प्रदेश के सभी शासकीय एवं निजी विद्यालयों में लाखों विद्यार्थियों और शिक्षकों ने एक साथ ÷साइबर सुरक्षा शपथ÷ ली। स्कूल शिक्षा विभाग और राज्य साइबर पुलिस के संयुक्त समन्वय से आयोजित इस पहल ने पूरे प्रदेश में डिजिटल सुरक्षा का मजबूत संदेश दिया।

राजधानी भोपाल से लेकर दूरस्थ ग्रामीण इलाकों तक सभी विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में साइबर सुरक्षा को

पारदर्शी और व्यापक स्तर पर अभियान का संचालन

स्कूल शिक्षा विभाग ने इस अभियान के सफल संचालन के लिए पहले से ही सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और विद्यालय प्राचार्यों को निर्देश जारी किए थे। शिक्षकों ने शपथ के साथ विद्यार्थियों को सुरक्षित इंटरनेट उपयोग, डिजिटल सतर्कता और साइबर सुरक्षा के मूल सिद्धांतों की भी जानकारी दी।

लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने का संकल्प लिया। इस दौरान शिक्षकों ने भी छात्रों को इंटरनेट और सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अभियान का उद्देश्य बच्चों और युवाओं को साइबर ठगी, फर्जी लिंक, ऑनलाइन धोखाधड़ी और फेक न्यूज जैसी समस्याओं से बचाव के लिए जागरूक करना है। आज के डिजिटल युग में बच्चे और युवा इंटरनेट, ऑनलाइन गेमिंग और सोशल मीडिया का व्यापक उपयोग कर रहे हैं, जिससे वे साइबर अपराधों के प्रति अधिक संवेदनशील हो रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए इस अभियान के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि हर क्लिक सोच-समझकर करना आवश्यक है। छोटी-सी लापरवाही भी आर्थिक और सामाजिक नुकसान का कारण बन सकती है।

साइबर शपथ में लिए गए महत्वपूर्ण संकल्प

शपथ के दौरान विद्यार्थियों और शिक्षकों ने यह संकल्प लिया कि वे अपनी निजी जानकारी जैसे पासवर्ड, ओटीपी, बैंक विवरण और अन्य गोपनीय जानकारी किसी अनजान व्यक्ति से साझा नहीं करेंगे। साथ ही वे अनजान फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार नहीं करेंगे, सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी नहीं फैलाएंगे और ऑनलाइन गेमिंग या चैटिंग के दौरान किसी भी प्रकार के लालच या धमकी से प्रभावित नहीं होंगे। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में तुरंत अभिभावकों, शिक्षकों या राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर सूचना देने का भी संकल्प लिया गया।

जब सिंधु रोती है

कभी-कभी इतिहास अपने सबसे बड़े प्रश्न किसी संसद, न्यायालय या युद्धभूमि में नहीं, बल्कि किसी नदी के किनारे खड़ा होकर पूछता है। आज ऐसा ही एक प्रश्न सिंधु नदी पूछ रही है। वही सिंधु, जिसने इस भूभाग को 'इंडिया' और 'हिंदुस्तान' जैसी पहचान दी; वही सिंधु, जिसकी गोद में मानव इतिहास की सबसे प्राचीन नगर सभ्यताओं में से एक-सिंधु घाटी सभ्यता ने सांस ली; वही सिंधु, जिसके तटों पर संस्कृति, व्यापार, दर्शन और जीवन ने अपनी पहली लय पाई। विडंबना यह है कि आज वही जीवनदायिनी नदी अपने अस्तित्व की लड़ाई स्वयं लड़ने को विवश है। नदियां कभी अचानक नहीं मरतीं। उनका क्षरण वर्षों तक हमारी अनदेखी, हमारी महत्वाकांक्षाओं और हमारी विकास-नीतियों के भीतर पलता रहता है। सिंधु भी आज उसी अदृश्य मृत्यु की ओर बढ़ रही है। जलवायु परिवर्तन ने हिमालय के हिमनदों को पहले ही असुरक्षित बना दिया था, लेकिन अब मनुष्य की विकास संबंधी अधीरता ने इस संकट को और तीव्र कर दिया है। वैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं कि हिंदूकुश-हिमालय क्षेत्र के ग्लेशियर पहले की तुलना में दोगुनी गति से पिघल रहे हैं। यह केवल बर्फ का पिघलना नहीं है; यह भविष्य के जल भंडार का धीरे-धीरे समाप्त होना है। सबसे अधिक चिंता इस बात की है कि हमने प्रकृति को पर्यटन के नाम पर उपभोग की वस्तु बना दिया है। लद्दाख, सोनमर्ग और हिमालय के संवेदनशील क्षेत्र आज प्रकृति के तीर्थ कम और भीड़भाड़ वाले उपभोग स्थलों में अधिक बदलते जा रहे हैं। लाखों पर्यटकों की भीड़, अनियोजित निर्माण, डीजल वाहनों का धुआं, प्लास्टिक का बढ़ता अंबार और पहाड़ों पर जमती ब्लैक कार्बन की परतें मिलकर उस बर्फ को समय से पहले पिघला रही हैं, जिसने हजारों वर्षों तक पूरे उपमहाद्वीप की प्यास बुझाई। यह दृश्य किसी विकास मॉडल की सफलता नहीं, बल्कि पर्यावरणीय विवेक की पराजय का दस्तावेज है। प्रकृति प्रतिशोध नहीं लेती, वह केवल संतुलन स्थापित करती है। आज ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, इसलिए नदियों में पानी अधिक दिखाई दे रहा है। लेकिन यही अतिरिक्त जल आने वाले वर्षों में विनाशकारी बाढ़ का कारण बनेगा और उसके बाद वही क्षेत्र भीषण जल-संकट का सामना करेंगे। यह विरोधाभास ही जलवायु परिवर्तन की सबसे भयावह सच्चाई है-पहले प्रलय, फिर प्यास।

तपते शहर और विकास मॉडल की सीमाओं को उजागर करने वाला बहुआयामी संकट

डॉ. प्रियंका सौरभ
स्तंभकार

भारत आज तीव्र शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन- दो ऐसी प्रक्रियाओं के संगम पर खड़ा है जो देश के सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक ढांचे को गहराई से प्रभावित कर रही हैं। एक ओर शहर विकास, रोजगार और नवाचार के केंद्र हैं तो दूसरी ओर वे बढ़ते तापमान, अनियमित वर्षा, शहरी बाढ़, जल संकट, वायु प्रदूषण और चरम मौसमी घटनाओं के सबसे बड़े शिकार भी बनते जा रहे हैं। सामान्यतः जलवायु परिवर्तन को पर्यावरणीय समस्या माना जाता है किंतु भारतीय शहरों का अनुभव बताता है कि यह केवल प्रकृति का संकट नहीं है; यह शहरी शासन, सामाजिक न्याय और विकास मॉडल की सीमाओं को उजागर करने वाला बहुआयामी संकट है।

इस संकट का सबसे अधिक दुष्प्रभाव उन लोगों पर पड़ता है जो शहरों की अर्थव्यवस्था और जीवन-प्रणाली को प्रतिदिन संचालित करते हैं लेकिन नीतियों और योजनाओं में सबसे पीछे रह जाते हैं। इनमें अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिक, प्रवासी मजदूर, सड़क विक्रेता, निर्माण श्रमिक, घरेलू कामगार, कचरा बीनने वाले और स्वच्छता कार्यकर्ता प्रमुख हैं। विडंबना यह है कि जिन लोगों के श्रम से शहर चलते हैं, वही लोग जलवायु परिवर्तन के सबसे असुरक्षित शिकार बनते हैं। भारत की लगभग 35 प्रतिशत आबादी शहरों में रहती है और आने वाले दशकों में यह अनुपात तेजी से बढ़ेगा। शहरों का विस्तार अक्सर बिना समुचित योजना के हुआ है। हरित क्षेत्रों का सिकुड़ना, जल निकायों का अतिक्रमण, अनियंत्रित कंक्रीटीकरण और कमजोर जल निकासी व्यवस्था ने शहरों की प्राकृतिक जलवायु सहनशीलता को कम कर दिया है। परिणामस्वरूप थोड़ी-सी अधिक वर्षा भी व्यापक जलभराव और बाढ़ का कारण बन जाती है, जबकि लंबे समय तक वर्षा न होने पर गंभीर जल संकट उत्पन्न हो जाता है। बढ़ते तापमान ने शहरी 'हीट आइलैंड' प्रभाव को और तीव्र बना दिया है, जिससे शहर ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई डिग्री अधिक गर्म हो जाते हैं। यह स्थिति केवल प्राकृतिक कारणों का परिणाम नहीं है। यह शहरी शासन की कमियों को भी दर्शाती है। अनेक नगर निकायों के पास न तो पर्याप्त वित्तीय संसाधन हैं और न ही जलवायु परिवर्तन के अनुरूप दीर्घकालिक योजना बनाने की क्षमता। विभिन्न विभागों के बीच समन्वय का अभाव, डेटा आधारित निर्णयों की कमी और अल्पकालिक विकास परियोजनाओं पर अत्यधिक निर्भरता ने समस्या को और जटिल बना दिया है।

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव समाज के सभी वर्गों पर समान रूप से नहीं पड़ता। आर्थिक रूप से कमजोर और सामाजिक रूप से वंचित वर्ग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन को अब 'क्लाइमेट जस्टिस' अर्थात जलवायु न्याय के दृष्टिकोण से भी देखा जा रहा है। जिन लोगों का कार्बन उत्सर्जन सबसे कम है, वही इसके सबसे गंभीर परिणाम भुगत रहे हैं। अनौपचारिक क्षेत्र भारतीय शहरी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। विभिन्न आकलनों के अनुसार शहरों में कार्यरत अधिकांश श्रमिक असंगठित या अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़े हैं। उनके पास स्थायी रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य बीमा या पेंशन जैसी सुविधाएँ नहीं होतीं। उनकी आय प्रतिदिन के कार्य पर निर्भर करती है। ऐसे में जलवायु परिवर्तन उनके लिए केवल मौसम का बदलाव नहीं बल्कि आजीविका का संकट बन जाता है। जब भीषण गर्मी पड़ती है, निर्माण कार्य धीमे हो जाते हैं, सड़क विक्रेताओं की बिक्री घट जाती है, रिक्शा और ई-रिक्शा चालक कम समय तक काम कर पाते हैं तथा दिहाड़ी मजदूरों की आय प्रभावित होती है। दूसरी ओर, अत्यधिक वर्षा और शहरी बाढ़ से बाजार बंद हो जाते हैं, परिवहन बाधित होता है और लाखों लोगों की रोज़ी-रोटी ठप पड़ जाती है। अधिकांश अनौपचारिक श्रमिकों के पास आय का कोई वैकल्पिक स्रोत नहीं होता। परिणामस्वरूप वे कर्ज, भूख और आर्थिक असुरक्षा के दुष्चक्र में फंस जाते हैं।

शहरों की झुग्गी बस्तियाँ जलवायु संकट का सबसे बड़ा केंद्र बन चुकी हैं। अधिकांश झुग्गियाँ नदी किनारे, नालों के आसपास या निम्न-स्तरीय भूमि पर स्थित होती हैं, जहाँ बाढ़ और जलभराव का खतरा अधिक रहता है। इन क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल, सीवरेज, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव होता है। भारी वर्षा के बाद दूषित जल फैलने से डेंगू, मलेरिया, हैजा और अन्य जलजनित रोग तेजी से फैलते हैं। गर्मी के दौरान टिन की छतों वाले छोटे घर असहनीय तापमान तक गर्म हो जाते हैं, जिससे बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है।

अंततः यह समझना आवश्यक है कि जलवायु परिवर्तन केवल तापमान बढ़ने की कहानी नहीं है। यह उन असमानताओं का दर्पण है जो हमारे शहरों में पहले से मौजूद हैं। यदि विकास का लाभ समान रूप से नहीं पहुँचेगा और कमजोर वर्गों को सुरक्षा नहीं मिलेगी तो जलवायु संकट सामाजिक अन्याय को और गहरा करेगा। इसलिए भारत के शहरी भविष्य की सफलता केवल ऊँची इमारतों, चौड़ी सड़कों और स्मार्ट तकनीक से नहीं मापी जाएगी बल्कि इस बात से तय होगी कि हमारे शहर अपने सबसे कमजोर नागरिकों- अनौपचारिक श्रमिकों और स्वच्छता कार्यकर्ताओं को कितना सुरक्षित, सम्मानजनक और न्यायपूर्ण जीवन प्रदान कर पाते हैं।

जलवायु परिवर्तन का मुकाबला केवल पर्यावरणीय उपायों से संभव नहीं है। इसके लिए संवेदनशील शासन, सामाजिक न्याय, समावेशी शहरी नियोजन और मानव गरिमा पर आधारित विकास मॉडल की आवश्यकता है। यही वह मार्ग है जो भारतीय शहरों को वास्तव में टिकाऊ, न्यायपूर्ण और भविष्य के लिए सक्षम बना सकता है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

भयावह घटनाएं ... अच्छी तरह परख लीजिए आपकी महबूबा कहीं किसी की बाबू तो नहीं!

मनोज कुमार अग्रवाल
स्तंभकार

पुणे के लोहगढ़ में ट्रेकिंग पथ पर केतन अग्रवाल के मर्डर ने समूचे समाज को समाज में पल रहे लव अफेयर्स और उनके घातक परिणामों के प्रति चेताया है कि शादी के लिए वधू का चयन करने से पहले जांच लीजिए आपकी होने वाली महबूबा के जीवन में कोई दूसरा तो नही है अच्छी तरह परख लीजिए कि वह किसी की बाबू तो नहीं है? दरअसल समाज में जैसे जैसे लड़कियों के स्वछंद उन्मुक्त जीवन का चलन बढ़ा है लव अफेयर्स डेटिंग और ब्रेकअप का सिलसिला भी चल रहा है लेकिन अभिभावक अभी भी पुराने परम्परागत चलन से लडके लड़कियों का वर वधू के लिए चयन कर रहे हैं कई बार माता पिता परिवार के दबाव में आकर लड़किया अपने प्रेमी के इतर विवाह के लिए राजी हो जातीं हैं तो की बार प्रेमी के साथ साजिश कर विवाह से पहले या बाद में मंगेतर या पति को मौत के मुंह में धकेल रहीं हैं। दरअसल इंदौर की सोनम मेरठ की मुस्कान और अब पुणे की सिया ये बदलते दौर और बदलते चरित्र के किरदार हैं जिस समाज में लडकियों को मासूम अबला नादान समझा जा रहा है और कानून भी जिन्हें संरक्षण देता रहा है उस समाज में मासूम चेहरे के पीछे छिपी कुटिलता अपराध करने की मानसिकता और समाज लोकलाज पुलिस कानून का तनिक भी भय नहीं होना बदलते परिवेश को बयान कर रहा है ऐसे में जरूरी है कि युवाओं को अपने जीवन साथी का चयन बहुत सोच समझकर और उसके आचरण पिछले जीवन और संबन्धों की पड़ताल करने के बाद किया जाए। केतन अग्रवाल के परिवार ने एक बारहवीं फेल स्वछंद आचरण वाली लड़की की बिना जरूरी पड़ताल किए सिर्फ सिया के परिवार की बात पर भरोसा किया इस का भुगतान एक मासूम होनहार शिक्षित बिजनेस मैन युवा को अपनी जान देकर चुकाना पड़ा यदि केतन या उसका परिवार जरा सा भी सजग होता तो सिया की हरकतों से पहले ही वाकिफ हो जाता और सतर्कता अपना लेता या यह रिश्ता ही नहीं बनता। अंतिम संस्कार के बाद का मोड़ ऐसा मोड़ आया कि कहानी ही पलट गयी। केतन की मौत को शुरुआत में एक हादसा (लोहागढ़ किले की खाई में गिरना) माना जा रहा था. पुलिस ने भी सिया की बुनी कहानी पर सहज भरोसा कर लिया था केतन का परिवार भी बेचारी कह कर उलटा सिया ऐ फर्जी आंसू पौंछ रहा था लेकिन मौत के 4 दिन बाद जब सिया केतन के घर पहुंची, तो केतन की बहन ने उससे उस दिन की घटना के बारे में पूछा.सबसे पहली बार उसे सिया के चेहरे के भाव और बयान में विरोधाभास नजर आया उसने परिवार और पुलिस को चेताया।

आपको बता दें कि पुणे के हालिया हत्याकांड मामले में पुलिस जांच के दौरान कई गंभीर खुलासे हुए हैं। इस मामले में मुख्य आरोपियों द्वारा की गई लंबी प्लानिंग ने सुरक्षा विशेषज्ञों और जांच अधिकारियों को हैरान कर दिया है।डिजिटल सबूतों से मिली मदद पुलिस जांच के अनुसार, घटना से पहले के छह महीनों में डिजिटल संचार रिकार्ड से चौंकानेवाला खुलासा हुआ कि सिया चेतन चौधरी के साथ संबन्धों में थी।

जांच में यह भी सामने आया है कि मुख्य घटना से पहले भी पीड़ित पर हमला करने का प्रयास किया गया था। लोहगढ़ किले के पास हुई एक पिछली घटना के दौरान पीड़ित की जान बाल-बाल बची थी, जिसे उस समय एक दुर्घटना के रूप में पेश किया गया था। आपको बता दें कि साजिश के मामले में सिया और चेतन इंदौर के राजा रघुवंशी हत्या कांड की सोनम से भी आगे निकले। पुणे के केतन अग्रवाल मर्डर केस ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है. 26 साल के बिजनेसमैन और रियल एस्टेट डायरेक्टर केतन अग्रवाल की मौत को शुरुआत में एक सामान्य ट्रेकिंग हादसा माना जा रहा था, लेकिन पुलिस की तफ्तीश में जो सच सामने आया है, उसने सबके होश उड़ा दिए हैं. केतन की मंगेतर सिया गोयल (20 साल) ने अपने बॉयफ्रेंड चेतन चौधरी (22 साल) के साथ मिलकर इस खौफनाक मर्डर को अंजाम दिया।

पुलिस जांच में सामने आया कि 1 जनवरी से जून के बीच सिया और चेतन के बीच 2004 बार फोन पर बातचीत हुई थी. दोनों ने कुल 238 घंटे तक फोन पर सिर्फ केतन को रास्ते से हटाने की साजिश रची। वारदात वाले दिन (18 जून) सुबह सिया और चेतन पुणे के एक कैफे में मिले थे. यहीं पर उन्होंने लोहागढ़ किले की उस जगह को चुना, जहां से केतन को आसानी से खाई में धकेला जा सके। जांच में एक बेहद हैरान करने वाला खुलासा हुआ कि केतन का परिवार शादी से पहले बाली घूमने जाने वाला था। सिया अच्छी तरह जानती थी कि विदेश में हत्या को हादसा साबित करना मुश्किल होगा। इसलिए मुंबई एयरपोर्ट जाते वक्त रास्ते में लोनावला के पास उसने चुपके से केतन का पासपोर्ट गाड़ी से निकाला, वाशरूम में जाकर उसे फाड़ा और कमोड में फ्लश कर दिया। पासपोर्ट गायब होने के कारण पूरा टूर कैंसिल करना पड़ा और केतन भारत में ही रुक गया।

केतन के अंतिम संस्कार के 4 दिन बाद जब सिया उनके घर पहुंची, तो केतन की बहन संजना ने उससे उस दिन की घटनाओं को लेकर कुछ सवाल पूछे। सिया के बयानों में भारी विरोधाभास था और वह घबरा रही थी. बहन के इसी शक के बाद पुलिस हरकत में आई और टेक्निकल एनालिसिस से पूरा राजफाश हो गया। पुलिस पूछताछ में सिया और चेतन ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है। वडगांव कोर्ट ने दोनों आरोपियों को 29 जून तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। केतन के माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है. उनका कहना है कि 25 नवंबर को दोनों की करोड़ों की डेस्टिनेशन वेडिंग होने वाली थी. अगर सिया शादी नहीं करना चाहती थी तो मना कर देती, इस तरह किसी की जान लेने का हक उसे किसने दिया? पीड़ित परिवार ने हत्यारों के लिए फांसी की सजा की मांग की है। यकीनन अब किसी को जीवन साथी बनाने से पहले उसके पार्श्व की भली तरह पड़ताल कर लें कहीं जरा सी चूक परिवार और जीवन के लिए भारी न पड़ जाए।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज... किडनी, लिवर, जोड़ों पर भी डाल सकती है असर

जोड़ों में दर्द, लिवर से जुड़े लक्षण और पोषक तत्वों की कमी इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज का कारण हो सकते हैं। ज्यादातर लोग इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज को केवल पाचन से जुड़ी समस्या मानते हैं। लेकिन, इस रोग में क्रोहन डिजीज और अल्सरेटिव कोलाइटिस शामिल किया जाता है। हालांकि, इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल डिसऑर्डर से कहीं अधिक है। इस रोग में व्यक्ति को पेट में सूजन होने लगती है, यह सूजन शरीर के कई अंगों और शारीरिक प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है। डॉक्टर अभिषेक कुमार मिश्रा (सीनियर कंसल्टेंट ऑर्थोपेडिक और स्पाइन, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली) बताते हैं कि आईबीडी में होने वाली सूजन से हड्डियों, जोड़ों, न्यूट्रिशन, लिवर, गॉलब्लैडर और किडनी से जुड़ी कॉम्प्लीकेशंस हो सकती है।

IBD वाले लोगों में ऑस्टियोपोरोसिस और ऑस्टियोपीनिया होने का खतरा ज्यादा होता है, इन स्थितियों में बोन डेंसिटी कम हो जाती है और फ्रैक्चर का खतरा बढ़ जाता है। आईबीडी के मरीजों में बोन खराब होने के कई कारण हो सकते हैं। न्यूट्रिशन की कमी से यह समस्या और बढ़ जाती है। आंतों में सूजन की वजह से कैल्शियम और विटामिन डी का ठीक से एब्जॉर्प्शन न होने से हड्डियों की मजबूती और मिनरलाइजेशन कम हो सकता है। बीमारी बढ़ने पर फिजिकल एक्टिविटी कम होने से भी हड्डियां खराब हो सकती है।

लिवर और गॉलब्लैडर पर असर: इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज लिवर और गॉलब्लैडर की हेल्थ पर काफी असर डाल सकता है। लिवर से जुड़ी सबसे जानी-मानी दिक्कतों में से एक प्राइमरी स्क्लेरोजिंग कोलांगाइटिस (PSC) है, यह लंबे समय तक बनी रहने वाली बीमारी है जिससे बाइल डक्ट्स में सूजन और निशान पड़ जाते हैं। पीएससी आमतौर पर अल्सरेटिव कोलाइटिस से जुड़ा होता है और अगर इसका इलाज न किया जाए तो यह लिवर की गंभीर बीमारी बन सकती है।

किडनी पर असर: इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज के मरीजों में सूजन, डिहाइड्रेशन, दवा के असर और मेटाबोलिक बदलावों की वजह से किडनी की दिक्कतें हो सकती हैं। किडनी स्टोन किडनी की सबसे आम दिक्कतों में से एक है। क्रोहन डिजीज में छोटी आंत प्रभावित होती है। लंबे समय तक दस्त और पानी की कमी शरीर में मिनरल बैलेंस को बदलकर स्टोन बनने की संभावना को बढ़ा सकती है। कुछ मरीजों में किडनी या यूरिनरी ट्रैक्ट में सूजन हो सकती है, जिससे किडनी का काम प्रभावित हो सकता है। कुछ दवाओं के लंबे समय तक इस्तेमाल से भी संवेदनशील लोगों में किडनी से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं।

निशाना

चाहता हूं मौत से पहले ..!

धर्मराज देशराज

मैं फ़क़त प्यार लुटाए जाऊँ
चाहे अश्कों से नहाए जाऊँ।
चाहता हूँ कि मौत से पहले
गुल मुहब्बत के खिलाए जाऊँ।
सोचता हूँ कि वतन में यारो
सोये इन्साँ को जगाए जाऊँ।
लिख रहा हूँ यही मक़सद लेकर
अपनी तहज़ीब बचाए जाऊँ।
यार नफ़रत को भुलाकर सोचो
आग उल्फ़त की लगाए जाऊँ।
फ़िक्र है दौरे -तबाही की मुझे
किस तरह खुद को बचाए जाऊँ
सोचता हूँ कि ज़माने में 'धरम'
खुद को इन्सान बनाएँ जाऊँ।

नॉलेज

एक सेकंड में करीब 3.6 मीटर! चीते की रफ्तार से भागती है यह शिकारी मकड़ी, दुनिया में सबसे तेज

दुनिया में एक ऐसी मकड़ी भी है जो चीते की तरह भागती है। ऑस्ट्रेलिया की जंगल हंट्समैन मकड़ी ने रफ्तार के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। साइंटिस्ट्स ने इसे दुनिया की सबसे तेज भागने वाली मकड़ी घोषित किया है। एक नई लैब स्टडी में इस बात का बड़ा खुलासा हुआ है। यह मकड़ी एक सेकंड में करीब 3.6 मीटर की दूरी तय कर सकती है। इसकी यह स्पीड देखकर पूरी दुनिया के एक्सपर्ट्स हैरान हैं। इससे पहले मोरक्को की फ्लिक-फ्लैक मकड़ी को सबसे तेज माना जाता था। उसकी स्पीड करीब 1.7 मीटर प्रति सेकंड थी। अब ऑस्ट्रेलिया की इस मकड़ी ने पुराना रिकॉर्ड पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। जर्मनी की यूनिवर्सिटी ऑफ ग्रीफ्सवाल्ड और इंपीरियल कॉलेज लंदन के रिसर्चर्स ने यह स्टडी की है।

साइंटिस्ट्स ने इस बड़े रिसर्च के लिए खास इंतजाम किए थे। उन्होंने यूके, नॉर्थ अमेरिका और यूरोप से लाइव मकड़ियां मंगवाई थीं। कुछ मकड़ियों को पेट शॉप्स से भी खरीदा गया था। रिसर्चर्स ने कुल 236 मकड़ियों की स्पीड को मापा। इसके लिए ए4 और ए3 साइज के ग्रिड पेपर का इस्तेमाल किया गया.

इन पेपर्स पर मकड़ियों को दौड़ाया गया। उनकी मूवमेंट को समझने के लिए हाई-टेक कैमरे लगाए गए थे। मकड़ियां दीवारों पर चढ़कर भाग न जाएं इसके लिए खास इंतजाम थे। ट्रे की दीवारों पर लिक्विड पैराफिन लगाया गया था। क्वींसलैंड से लाई गई हंट्समैन मकड़ी इस टेस्ट में सबसे आगे रही। उसने 3.59 मीटर प्रति सेकंड की हैरान करने वाली स्पीड हासिल की।

साइंटिस्ट्स ने मकड़ियों के शरीर की बनावट पर भी स्टडी की है। जिन मकड़ियों के पैर लंबे होते हैं वे ज्यादा तेज दौड़ती हैं। हालांकि पैरों का पतला होना स्पीड के लिए जरूरी नहीं है। मकड़ी कहां शिकार करती है इससे भी उसकी स्पीड तय होती है। जमीन पर या पत्तियों के बीच शिकार करने वाली मकड़ियों की स्पीड अलग होती है। सीधे चलने वाली और उल्टी लटकने वाली मकड़ियों की रफ्तार में भी फर्क होता है। इस रिसर्च में एक बेहद छोटी ऑरेंज गॉब्लिन मकड़ी भी मिली। इसका वजन केवल 0.1 मिलीग्राम था लेकिन इसकी स्पीड 0.2 मीटर प्रति सेकंड थी।

पेमेंट - ऑप्शन

यूपीआई में हो रही AI की एंट्री, फोन- पे और गूगल पे को टक्कर देगा BHIM ऐप, तैयार है महाप्लान

देश में डिजिटल पेमेंट का दायला लगातार बढ़ रहा है और देश के यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस यानी कि PI पर रोजाना 75 करोड़ से ज्यादा ट्रांजैक्शन हो रहे हैं। अब NPCI के एमडी और सीईओ दिलीप असबे ने एक बड़ा लक्ष्य सामने रखा है। उनके मुताबिक रोज 1 अरब ट्रांजैक्शन और अगले 50 करोड़ नए यूजर्स को जोड़ने में AI की भूमिका बड़ी रहने वाली है। इसके लिए NPCI, केंद्रीय बैंक और सरकार मिलकर काम कर रही है। दिलीप असबे के अनुसार UPI को नए यूजर्स तक पहुंचाने के लिए सुरक्षा एक बड़ा पहलू साबित होगा। उनके मुताबिक धोखाधड़ी रोकने, फर्जी खातों को पकड़ने और मौजूदा यूजर्स को सुरक्षित रखने के लिए AI का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया जाएगा।

इसके साथ ही उन्होंने AI की मदद से मर्चेंट्स और यूजर्स को आसानी से क्रिडिट यानी कि लोन की सुविधा देने की बात भी कही। रिपोर्ट्स के मुताबिक ऑनबोर्डिंग को आसान बनाने के लिए भारतीय भाषाओं और वॉयस आधारित समाधान पर तैयार किए जा रहे है। रिपोर्ट्स के अनुसार जिस तरह से डिजिटल ट्राजैक्शन बढ़ रहे हैं, उसे देखते हुए भारत को मजबूत नियमों की भरपूर जरूरत है। ऐसे में कोई गड़बड़ी या फ्रॉड होने पर यह आसानी से चेक किया जा सकेगा कि यूजर ने AI को क्या निर्देश दिए थे और किस काम की मंजूरी दी थी।

यह फिनटेक कंपनियों के लिए स्मॉल लैंग्वेज मॉडल्स बनाने का बेहतरीन मौका है। भारत के पास पहले से ही भरपूर डेटा है। इस डेटा से बैंक और फिनटेक कंपनियां AI टूल्स तैयार कर सकती हैं। उदाहरण के लिए, NPCI का FIMI मॉडल अभी से ही लाखों ग्राहकों के पेमेंट से जुड़ी दिक्कतों को चुटकियों में सुलझा रहा है। फिलहाल UPI मार्केट के 80 प्रतिशत हिस्से पर वॉलमार्ट के फोनपे और गूगल पे का कब्जा है।

NPCI चाहता है कि बाजार में स्वस्थ मुकाबला बना रहे। इसके लिए किसी भी ऐप के मार्केट शेयर को 30 प्रतिशत पर सीमित करने की योजना 31 दिसंबर 2026 से लागू होने वाली है। हालांकि UPI ऐप्स को बदलने की लागत काफी कम है लेकिन दूसरे प्लेयर्स को बाजार में टिकने के लिए एक कमर्शियव मॉडल की जरूरत होगी। इसके अलावा, NPCI अपने BHIM ऐप को एक सुरक्षित विकल्प के रूप में बढ़ावा दे रहा है, ताकि बाजार को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके।

न्यूज विंडो

बिना पुलिस सत्यापन के दौड़ रहे डिलीवरी बॉय, सुरक्षा पर उठे सवाल

शहडोल। शहडोल संभाग के अनूपपुर, उमरिया और शहडोल जिलों में विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और लॉजिस्टिक कंपनियों के माध्यम से घर-घर डिलीवरी का कार्य करने वाले युवकों के पुलिस सत्यापन को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बड़ी संख्या में डिलीवरी कर्मी बिना उचित सत्यापन के कार्य कर रहे हैं, जबकि उनकी नियमित निगरानी और रिकॉर्ड संधारण की जिम्मेदारी संबंधित कंपनियों तथा प्रशासनिक तंत्र की भी होती है। क्षेत्र में यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि डिलीवरी करने वाले व्यक्तियों का पूरा विवरण, निवास, आपराधिक पृष्ठभूमि और पहचान का सत्यापन किस स्तर पर किया जा रहा है, इसकी स्पष्ट जानकारी आम नागरिकों को नहीं मिल पा रही है। लोगों का कहना है कि घरों तक सीधी पहुंच रखने वाले डिलीवरी कर्मियों का सत्यापन सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक है। हाल ही में इंदौर में एक मामले के सामने आने के बाद यह मुद्दा और भी गंभीर हो गया है, जिसमें एक डिलीवरी कर्मी पर चोरी की घटनाओं में संलिप्त होने के आरोप लगे थे। इसके बाद शहडोल संभाग में भी ऐसी व्यवस्थाओं की समीक्षा की मांग उठने लगी है। नागरिकों ने कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और संबंधित एसडीएम से संयुक्त अभियान चलाकर डिलीवरी सेवाओं से जुड़े कर्मियों का सत्यापन कराने, कंपनियों के रिकॉर्ड की जांच करने तथा सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि किसी अप्रिय घटना की प्रतीक्षा करने के बजाय प्रशासन को समय रहते प्रभावी कदम उठाने चाहिए ताकि नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

जानलेवा हमले और लूट के तीन आरोपी गिरफ्तार, मशरूका बरामद

गंजबासौदा। थाना देहात पुलिस ने ग्राम गमाकर में हुए जानलेवा हमला एवं लूट के मामले का महज 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 10 हजार नकद, सोने की नाक की लौंग और सोने के कान के टॉप्स सहित करीब 35 हजार का मशरूका भी बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे तथा एसडीओपी गंजबासौदा श्रीमती शिखा भलावी के मार्गदर्शन में गठित विशेष टीम ने घटना के बाद तत्काल जांच शुरू की। 1 जुलाई को हुई इस वारदात के संबंध में थाना देहात में प्रकरण दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में लगे 110 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिरों से मिली सूचनाओं के आधार पर संदिग्धों की पहचान कर पूछताछ की गई, जिसमें आरोपियों ने अपराध स्वीकार कर लिया। उनकी निशानदेही पर लूटा गया मशरूका बरामद कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक जय कुमार सिंह, निरीक्षक निरपत सिंह लोधी, उपनिरीक्षक राधेश्याम यादव, उपनिरीक्षक दिव्या पराशर सहित थाना स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस की त्वरित कार्रवाई, तकनीकी जांच और प्रभावी टीमवर्क से गंभीर वारदात का 24 घंटे के भीतर खुलासा कर आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया गया।

मानसून की पहली बारिश में ही कटंगी में बना मिनी भेड़ाघाट, हुआ लबालब

जबलपुर। मध्य प्रदेश में मानसून की पहली बारिश ने जबलपुर और आसपास के क्षेत्रों में नगर निकाय व निर्माण एजेंसियों के दावों की हकीकत सामने ला दी है। पहली हल्की बारिश से ही बुरे हाल हैं, यहां विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल भेड़ाघाट जाने वाला मुख्य मार्ग तालाब में बदल गया है। वहीं, कटंगी नगर परिषद के निचले इलाकों में गंभीर जलभराव की स्थिति बन गई है। हालत यह हो कि जगहजगह मीनी भेड़ाघाट बन गए हैं। जिस तरह से पानी लबालब भरा हुआ है वह भेड़ाघाट जैसी तस्वीर उकेर रहा है।

छिंदवाड़ा में पिकअप बारिश के दौरान अनियंत्रित होकर पलटी, 3 घायल

छिंदवाड़ा। जिले के जुन्नारदेव के डूंगरिया चौकी क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेलीबट गांव में कैटरिंग का काम खत्म कर लौट रही पिकअप बारिश के दौरान अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि 2 से 3 लोग घायल बताए जा रहे हैं।

कटनी में एक रेस्टोरेंट में 8 फीट लंबा विशालकाय सांप घुसा, किया रेस्क्यू

कटनी। कटनी के विलायत कलां में एक रेस्टोरेंट से 8 फीट लंबा विशालकाय सांप रेस्क्यू किया गया। मानसून की दस्तक के साथ ही वन्यजीवों के अपने प्राकृतिक आवास छोड़कर रिहाइशी इलाकों में आने की घटनाएं बढ़ने लगी हैं। घटना देर रात करीब 10 बजे विलायत कलां बस स्टैंड स्थित एक रेस्टोरेंट में हुई। अचानक एक अजगर रेस्टोरेंट में घुस आया, जिससे कर्मचारियों और ग्राहकों में अफरा-तफरी मच गई। सांप लगातार फुफकार मार रहा था, जिससे वहां मौजूद लोगों में दहशत फैल गई।

जल गंगा संवर्धन अभियान में बड़ा फर्जीवाड़ा: हकीकत में बावड़ियां गाद से पटीं

झूठे आंकड़े पेश कर सीएमओ ने सीएम से ले ली शाबाशी, दावों की उड़ी धज्जियां

धार। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश सरकार के महत्वाकांक्षी जल गंगा संवर्धन अभियान को धार नगर पालिका ने भ्रष्टाचार, लापरवाही और सफेद झूठ की भेंट चढ़ा दिया है। जल संरक्षण और भूजल स्तर सुधारने के लिए चलाए गए इस राज्यव्यापी अभियान में धार नपा के सीएमओ कुंवर विश्वनाथ सिंह ने 64 ऐतिहासिक बावड़ियों और तालाबों के संरक्षण के फर्जी आंकड़े पेश कर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से झूठी वाहवाही तो लूट ली, लेकिन धरातल पर इन दावों की हवा निकल गई है। दोपहर मेट्रो की ग्राउंड जीरो रिपोर्ट ने नगर पालिका के इस कागजी खेल की पोल खोलकर रख दी है।

नगर पालिका अधिकारी अभियान को लेकर कितने गंभीर है इसका सबसे बड़ा प्रमाण नपा कार्यालय के समीप स्थित लालबाग में देखने को मिला। यहां की दो प्राचीन बावड़ियां और कुएं आज भी गाद और गंदगी से पटे पड़े हैं। हद तो तब हो गई जब नपा अध्यक्ष के खुद के वार्ड बंदीछोड़ के सामने की ऐतिहासिक बावड़ी भी कचरे और गाद से लदी मिली। शनिगली स्थित शनि मंदिर के कुएं का हाल यह है कि वहां इतनी झाड़ियां और पेड़ उग आए हैं कि कुएं का अस्तित्व ही नजर नहीं आता। जब नपा अध्यक्ष के वार्ड में ही अभियान दम तोड़ गया, तो बाकी शहर का भगवान ही मालिक है। हमारी टीम जब शहर के उन प्राचीन कुओं और बावड़ियों पर पहुंची जो प्रमुख धर्म स्थलों के समीप हैं, तो सच्चाई

और भी कड़वी निकली। जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आना-जाना होता है, वहां भी सफाई के नाम पर केवल छलावा किया गया है। धारेश्वर मंदिर की बावड़ी, बटुक भैरव मंदिर का कुआं, शहर के मध्य स्थित आनंदेश्वर की बावड़ी और शनि मंदिर के कुएं में आज भी भारी मात्रा में गाद जमा है।कागजों में इन्हें संरक्षित बताकर शासन की आंखों में धूल झोंकने का काम किया गया है।जब इस पूरे मामले में सीएमओ कुंवर विश्वनाथ सिंह से चर्चा की गई तो उन्होंने अलग ही तर्क किया, उन्होंने बताया हमने 64 बावड़ियों और कुएं की सफाई की है, यदि सफाई के अगले ही दिन कोई गंदगी कर तो यह तो क्या करें, जीतनी भी कुएं और बावड़ियों की सफाई की है, उसमें कुछ गाद निकालने के लिए टेंडर जारी किए गए है, हालांकि सीएमओं के सफाई के अगले दिन फिर गंदगी होने की के दावें कितने खोखलें है, इसकी अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि जिन बावड़ियों के साफ होने की बात कही गई है, स्थानीय लोगो ने पिछले कई सालो से सफाई ना होने कि बात कही।

अनाज मंडी में दिखावे का खेल, पुरानी बावड़ी लावारिस

अभियान के नाम पर केवल उन जगहों पर खानापूर्ति की गई जो आसानी से नजर में आ सकें। इसका जीता-जागता उदाहरण अनाज मंडी है। यहां दो प्राचीन बावड़ियां हैं। जो बावड़ी लोगों की नजरों के सामने थी, उसे अभियान के तहत साफ कर दिया गया, लेकिन ठीक उसी के पास मंदिर के समीप स्थित हजारों साल पुरानी प्राचीन बावड़ी को उसके बदहाल हाल पर छोड़ दिया गया।

सीएम को किया गुमराह

उठ रहें भ्रष्टाचार के सवाल इस पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि सीएमओ कुंवर विश्वनाथ सिंह ने 64 बावडियों के संरक्षण का ढिंढोरा पीटकर मुख्यमंत्री तक को भ्रामक और झूठे आंकड़े परोस दिए। जमीनी हकीकत चीख-चीख कर कह रही है कि सफाई और गहरीकरण के नाम पर शासन के पैसों की केवल बंदरबांट हुई है। अब बड़ा सवाल यह है कि मुख्यमंत्री को गुमराह कर झूठी प्रशंसा पाने वाले इन जिम्मेदार अधिकारियों पर शासन क्या कार्रवाई करता है।

पांदुर्णा में नदी उफान पर आई नदी किनारे 5 कच्चे मकान ढहे

पांदुर्णा। दोपहर मेट्रो

बारिश के कारण जुना पांदुर्णा में नदी उफान पर आई इससे नदी किनारे स्थित 5 कच्चे मकान ढह गए। हालांकि, परिवारों ने समय रहते घर खाली कर दिए थे, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। पीड़ितों के अनुसार, रात में अचानक नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा और पानी घरों में घुस गया। स्थिति बिगड़ती देख परिवारों ने बच्चों और बुजुर्गों को लेकर घरों से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। नदी के तेज बहाव में 3 बकरियां, एक टीवी, ड्रम, अनाज, कपड़े, बर्तन और गैस सिलेंडर सहित अन्य घरेलू सामान बह गया।

एमपी में नौ घंटे में अंधे कत्ल का खुलासा

युगल ने युवक को उतारा मौत के घाट प्रेमिका बोली-पति बन रहा था रोड़ा

खंडवा। दोपहर मेट्रो

खंडवा में घर के बाहर सो रहे एक युवक के अंधे कत्ल का मामला 1 जुलाई को सामने आया था। पंधाना थाना क्षेत्र में एक युवक, केदार, की सिर पर लकड़ी से वार कर हत्या कर दी गई थी। इस दौरान उसकी पत्नी और बच्चे घर के भीतर सो रहे थे, लेकिन उन्हें इसकी भनक तक नहीं लगी।

पुलिस ने इस मामले का मात्र नौ घंटे में खुलासा करते हुए मृतक की पत्नी रिंकू और उसके प्रेमी करण को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में दोनों ने बताया कि पिछले करीब पांच माह से उनके बीच प्रेम-प्रसंग और अवैध संबंध थे। इस संबंध में पति रास्ते का रोड़ा बन रहा था और करण रिंकू से शादी करना चाहता था। इसी वजह से करण ने केदार के सिर पर लकड़ी से वार कर उसकी हत्या करना स्वीकार किया। ग्रामीणों के अनुसार, केदार (32) और उसकी पत्नी रिंकू मजदूरी करते थे। दोनों की तीन संतानें हैं, केदार हेला पड़ावा का रहने वाला था, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से अपनी ससुराल कुसुम्बिया में रह रहा था। करीब पांच माह पहले वह और आसपास के गांवों के कुछ लोग मजदूरी के लिए महाराष्ट्र गए थे। इसी दौरान पड़ोसी गांव उमरदा निवासी करण से रिंकू का प्रेम-प्रसंग शुरू हुआ, जो अब तक जारी था।

पुलिस के अनुसार, घटना की रात केदार घर के बाहर सो रहा था। इसी दौरान करण घर में घुसा और उसके तथा रिंकू के बीच अवैध संबंध बने। इसके बाद रिंकू ने करण से कहा कि उसका पति दोनों के बीच रास्ते का रोड़ा बन रहा है, इसलिए उसे रास्ते से हटा दो। इसके बाद करण ने बाहर सो रहे केदार के सिर पर लकड़ी से हमला कर बुधवार रात उसकी हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। पुलिस ने गुरुवार को रिंकू और करण दोनों को गिरफ्तार कर करीब नौ घंटे के भीतर पूरे मामले का खुलासा कर दिया। इस मामले में खंडवा डीएसपी अनिल सिंह चौहान ने बताया कि बुधवार सुबह पुलिस को सूचना मिली थी कि कुसुम्बिया गांव में एक व्यक्ति का शव उसके घर के बाहर पड़ा हुआ है। प्रारंभिक जांच में मामला हत्या का प्रतीत होने पर पूछताछ की गई।

पत्नी-बेटों को कुल्हाड़ी से काटने से पहले मुरैना में बलराम ने फूफा को भेजे थे 3 ऑडियो मैसेज

मुरैना। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के मुरैना के किशनपुरा गांव में 27 जून 2026 की सुबह पत्नी और दोनों बेटों की हत्या के बाद आत्महत्या की की सनसनीखेज घटना ने हर किसी को झकझोर दिया था। अब इस घटना से जुड़े तीन ऑडियो सामने आए हैं। ये ऑडियो बीवी व बच्चों की हत्या करने वाले पति बलराम कुशवाह के हैं। ऑडियो घटना से कुछ घंटे पहले के बताए गए हैं और इनमें बलराम काफी गुस्से में बात करता हुआ सुनाई दे रहा है। जो तीन ऑडियो मैसेज सामने आए हैं वो बलराम ने पत्नी रविता के फूफा श्रीकृष्ण कुशवाहा को भेजे थे। इतना ही नहीं फूफा श्रीकृष्ण कुशवाहा के मुताबिक उस दिन बलराम ने उन्हें 22 बार कॉल भी किए थे, लेकिन उन्होंने बलराम के काफी गुस्से में होने के कारण कॉल रिसीव नहीं किए थे। जिसका पछतावा उन्हें आज भी है। जो ऑडियो सामने आए हैं उनमें जो बलराम काफी गुस्से में बात करते सुनाई दे रहे हैं।

पत्नी-बेटों की हत्या करने के बाद की आत्महत्या

किशनपुरा गांव में रहने वाले बलराम कुशवाह (32) ने पत्नी रविता (28) और बेटे आरव (10) व बेटे अतुल (7) की बेरहमी से कुल्हाडी से काटकर हत्या कर दी थी। पत्नी और बेटों को मारने के बाद बलराम ने खुद ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया था कि बलराम की पत्नी रविता ने करीब एक महीने पहले गांव की श्रीमद् भागवत कथा में डांस किया था, जिसका वीडियो गांव के कुछ लड़कों ने बनाकर बलराम को वॉट्सएप कर दिया था। इस वीडियो को देखने के बाद बलराम के सिर पर खून सवार हो गया और घर में सो रही पत्नी और बेटों की कुल्हाड़ी से निर्मम हत्या कर आत्महत्या कर ली।

वन भूमि पर अतिक्रमण रोकने पहुंची टीम से मारपीट, रेंजर समेत तीन कर्मचारी घायल

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

छिंदवाड़ा के पश्चिम वनमंडल की सांगाखेड़ा रेंज में वन भूमि पर प्रस्तावित पौधरोपण के दौरान वन विभाग की टीम और ग्रामीणों के बीच विवाद हिंसक हो गया। वन विभाग का आरोप है कि अतिक्रमण रोकने और पौधरोपण कराने पहुंचे कर्मचारियों के साथ ग्रामीणों ने गाली-गलौज कर मारपीट की, जिसमें रेंजर समेत तीन कर्मचारियों को चोटें आई हैं। घटना के बाद तामिया थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। मामला सांगाखेड़ा रेंज के कुकरपानी बीट के कक्ष क्रमांक 272 का है, जहां करीब पांच हेक्टेयर वन भूमि पर सागौन के रूट-शूट पौधरोपण की तैयारी की गई थी। बुधवार को वन विभाग का अमला पौधरोपण के लिए मौके पर पहुंचा, लेकिन वहां मौजूद ग्रामीणों ने इसका विरोध करते हुए दावा किया कि वे वर्षों से इस जमीन पर खेती कर रहे हैं और उन्हें यहां से हटाया नहीं जा सकता। वन विभाग के अनुसार समझाइश के बावजूद विवाद बढ़ गया। रेंजर नेहा माथुरकर की शिकायत के मुताबिक ग्राम बिजनाढाना निवासी रामवती भोपा, अनिता भोपा और सनोती भोपा ने वन अमले के साथ गाली-गलौज करते हुए शासकीय कार्य में बाधा डाली। आरोप है कि रामवती भोपा ने वनपाल राकेश धुर्वे की पीठ पर हमला किया, जबकि वनरक्षक कमल सिंह पंद्राम के साथ भी मारपीट की गई। बीच-बचाव के दौरान अनिता भोपा ने रेंजर नेहा माथुरकर के साथ झूमाझटकी की, जिससे उनके हाथ में चोट आई।

मेट्रो एंकर छतरपुर में हुई झमाझम बारिश के बाद श्री जटाशंकर धाम का मनमोहक स्वरूप देखने को मिला

जटाशंकर में दिखा प्रकृति का अद्भुत श्रृंगार, गोमुख की धार हुई तेज

छतरपुर। दोपहर मेट्रो

छतरपुर में गत दिवस को हुई झमाझम बारिश ने बुंदेलखंड के केदारनाथ कहे जाने वाले श्री जटाशंकर धाम का स्वरूप पूरी तरह बदल दिया। तेज बारिश के बाद पहाड़ियों से झरने उफान पर आ गए और सीढ़ियों से पानी बहता हुआ सीधे मंदिर परिसर तक पहुंच गया। गोमुख की जलधारा भी तेज हो गई, जिससे पूरा धाम प्राकृतिक सौंदर्य से सराबोर नजर आया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की, वहीं कई लोग झरनों के बीच प्राकृतिक नजारों का आनंद लेते दिखे।

छतरपुर जिला मुख्यालय से करीब 55 किलोमीटर और बिजावर तहसील से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित श्री जटाशंकर धाम चारों ओर से पहाड़ियों और हरियाली से घिरा हुआ है। बारिश के दौरान पहाड़ियों से बहता पानी मंदिर परिसर, गुफा, गोमुख और चौक तक पहुंच गया। पानी का बहाव

इतना तेज था कि कुछ समय के लिए श्रद्धालुओं का वहां रुकना भी मुश्किल हो गया। धार्मिक मान्यता के अनुसार, जटाशंकर धाम में गोमुख से वर्षभर प्राकृतिक जलधारा बहती रहती है, जिससे भगवान शिव का निरंतर जलाभिषेक होता है। यही वजह है कि यह मंदिर क्षेत्र के प्रमुख आस्था केंद्रों में शामिल है। यहां अमावस्या और सोमवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। मंदिर परिसर में बने तीनों कुंड भी वर्षभर जल से भरे रहते हैं। जटाशंकर धाम ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष अरविंद अग्रवाल ने बताया कि इस सीजन की पहली तेज बारिश के बाद धाम का अद्भुत और मनमोहक दृश्य देखने को मिला। उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान जटाशंकर महादेव का प्राकृतिक श्रृंगार होता है और यही नजारा देखने के लिए लोग दूर-दूर से पहुंचते हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि तेज बारिश के दौरान सीढ़ियों और कुंडों के आसपास विशेष सावधानी बरतें।

आठ घंटे की तेज बारिश से तारादेही-महाराजपुर मार्ग बंद, आवागमन प्रभावित

किचऊ की पुलिया डूबने से दो दर्जन गांवों के लोग प्रभावित

तारादेही/तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

बीते दिन सुबह 6 बजे से शुरू हुई 8 घंटे की झमाझम बारिश से जनजीवन बुरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया। 8 घंटे की झमाझम बारिश से क्षेत्र की कई पुल पुलिया बारिश के पानी में डूबने से दर्जनों गांव के लोग प्रभावित हुए। साथ ही नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। बीते दिन सुबह 6 बजे से शुरू हुई बारिश के चलते तारादेही तेजगढ़ के बीच स्थित किचऊ की पुलिया पर सुबह 10 बजे डूब गई जिसके कारण तारादेही तेंदूखेड़ा मार्ग सुबह 10 बजे से दोपहर तीन बजे तक खबर लिखे जाने तक पूरी तरह बंद रहा। पुलिया पर पानी आ जाने से पूरी तरह यातायात ठप हो गया। इस वजह से तेन्दूखेड़ा तारादेही देवरी महाराजपुर की आवाजाही पूरी तरह बंद हो गई मार्ग पर दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गई और मार्ग पर सफर करने वाले राहगीर दोनों तरफ फंसे रहे इस दौरान मार्ग पर चलने वाली यात्री बसें भी दोनों तरफ फंसी रही पुलिया पर पानी आ जाने के तारादेही पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीरता दिखाते हुए मार्ग पर यातायात को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया। यह मार्ग न केवल आसपास के दर्जनों ग्रामों को मुख्य सड़क से जोड़ता है बल्कि इस मार्ग से सागर नरसिंहपुर भोपाल सहित अन्य जिलों को भी जोड़ता है।

15 दिन लेट आए मानसून ने पहली ही बारिश में कई ग्रामों को टापू बनाकर रख दिया है जिसके कारण लोग घरों में केद हो कर रह गए हैं क्योंकि जिस मार्ग से वो शहर और ग्रामों में आना जाना करते हैं, लेकिन वह पूरी तरह बंद हो गए तेंदूखेड़ा ब्लॉक के जामुन ग्राम जाने वाले मार्ग पर स्थित भड़भड़ा का नाला एक से दो फिट तक पानी मे डूब गया, जिसके चलते पांच गांव प्रभावित हुए इसके साथ ही जेतगढ पुलिया के कारण चंदना पौड़ी मार्ग पर कुछ घंटे के लिए बंद हो गया इसके अलावा सभी नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ता गया।

कई विद्यार्थी नहीं पहुंच सके स्कूल

जेतगढ़ की किचऊ पुलिया डूबने से दो दर्जन से अधिक गांव प्रभावित हुए हैं जिसके कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ इस मार्ग के बंद होने से दर्जनों स्कूली बच्चों को भी परेशान होना पड़ा क्योंकि इस क्षेत्र में मात्र एक तारादेही ग्राम में ही हाईस्कूल है और कालेज के लिए तेन्दूखेड़ा जाना पड़ता है लेकिन पुलिया पर पानी होने के कारण दर्जनों ग्रामों के छात्र छात्राएं तेदूखेड़ा मुख्यालय और तारादेही नहीं पहुंच सके, वहीं तेन्दूखेड़ा जबलपुर दमोह जाने के लिए मजबूरन लंबा चक्कर लगाना पड़ जहां शिवलाल खमरिया सर्रा झलौन होते हुए लोग अपने कार्यस्थल तक पहुंचे जिससे उनका समय ओर पैसा दोनों बर्बाद हुई।

न्यूज विंडो

शंकराचार्य नेत्रालय से ऑपरेशन के बाद लौटकर किया आभार व्यक्त

नरसिंहपुर। स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित शंकराचार्य नेत्रालय में ऑपरेशन होने के बाद मरीज श्री गणेश देवस्थानम सिद्धपीठ पहुंचे और गजानन के दर्शन कर आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि निःशुल्क नेत्र जांच व परामर्श सेवा शिविर में 135 जरूरतमंद लाभान्वित हुए थे। इनमें से 16 लोगों के मोतियाबिंद ऑपरेशन नेत्रालय में ले जाकर किए गए और वापस उन्हें छोड़ा गया। श्री द्वारका पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी की प्रेरणा से सिद्धपीठ के संस्थापक स्व. कृष्ण कुमार जी पुरोहित की पुण्य स्मृति में उक्त जनहितैषी सेवा शिविर गणनायक फाउंडेशन ने 30 जून में आयोजित किया था। सभी मरीजों ने चर्चा करते हुए बताया कि 2 दिन नेत्रालय में रहने के दौरान उन्हें हर तरह की सुविधाएं प्राप्त हुई और बहुत ही अच्छे से सब कुछ हुआ।

धार जिले में प्रशासनिक फेरबदल 12 पुलिस निरीक्षकों के तबादले

धार। प्रशासनिक कार्य सुविधा को ध्यान में रखते हुए पुलिस विभाग में एक बड़ा फेरबदल किया गया है। धार पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा द्वारा जारी एक आदेश के तहत जिले के 12 पुलिस निरीक्षकों और कार्यवाहक निरीक्षकों के तत्काल प्रभाव से तबादले कर दिए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार, कई थानों के प्रभारियों को बदला गया है तो वहीं कुछ थाना प्रभारियों को लाइन भेजा गया है। कोतवाली थाना प्रभारी दीपक सिंह चौहान को कुक्षी थाना प्रभारी बनाया गया है, वहीं मनावर थाना प्रभारी ईशवर सिंह कोतवाली थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है। प्रवीण ठाकरे थाना प्रभारी धामनोद से अब थाना प्रभारी सादलपुर बनाए गए हैं। सविता चौधरी को थाना प्रभारी सादलपुर से रक्षित केन्द्र धार भेजी गईं। निरीक्षक संतोष सिंह यादव थाना प्रभारी धरमपुरी से थाना प्रभारी धामनोद नियुक्त किया गया है, सरदारसिंह सोलंकी को रक्षित केन्द्र धार से थाना प्रभारी धरमपुरी बनाए गए। निरीक्षक ईश्वरसिंह चौहान को थाना प्रभारी मनावर से कोतवाली थाने की कमान सौंपी गई है। कोतवाली थाना प्रभारी दीपक सिंह चौहान को कुक्षी थाना प्रभारी बनाया गया है। राजेश यादव को थाना प्रभारी कुक्षी से अब थाना प्रभारी मनावर नियुक्त किया गया है। निरीक्षक राजललन मिश्रा को रक्षित केन्द्र धार से थाना प्रभारी नौगांव और निरीक्षक हीरूसिंह रावत थाना प्रभारी नौगांव से थाना प्रभारी बाग, कैलाश चौहान को थाना प्रभारी बाग से रक्षित केन्द्र धार भेजा गया है। रेवलसिंह बर्डे रक्षित केन्द्र धार से थाना प्रभारी राजोद भेजा गया है। रामसिंह राठौर को थाना प्रभारी राजोद से रक्षित केन्द्र धार भेजे गए है।

सादलपुर पुलिस ने जुआ खेलते 10 जुआरियों को किया गिरफ्तार

धार। सादलपुर पुलिस ने जुएं की फड़ पर दबिश देकर देकर 10 जुआरियों को गिरफ्तार किया है, पुलिस ने मौके से हजारों की नगदी भी जप्त की है। पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा के निर्देशों पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारुल बेलापुरकर के निर्देशन एवं अनुविभागीय अधिकारी बदनावर अरविंद सिंह तोमर के मार्गदर्शन में सादलपुर थाना प्रभारी निरीक्षक सविता चौधरी के नेतृत्व में गठित टीम ने कार्रवाई की है। थाना प्रभारी सविता चौधरी ने बताया कि 1 जुलाई को मुखबिर से सटीक सूचना मिली थी कि ग्राम कलसाड़ा खुर्द में स्थित राजपूताना होटल की बिल्डिंग के पीछे, दीवार के पास कुछ लोग ताश के पत्तों पर रुपयों-पैसों की हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना की तस्दीक होने पर पुलिस ने तुरंत अलग-अलग टीमें बनाकर मुखबिर के बताए स्थान पर दबिश दी और घेराबंदी कर मौके पर ताश खेल रहे 10 आरोपियों को रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम ने मुकद्दर पिता शकुर खाँ निवासी लेबड, घाटाबिल्होद, सुरेश पिता गंगाराम मालीनिवासी लेबड, हजरत पटेल पिता कुदरत पटेल निवासी घाटाबिल्होद, राजा पिता छोटे खान निवासी घाटाबिल्होद, सोहेल पिता मुकद्दर निवासी लेबड, जाकिर पिता रहमत निवासी सुखेड़ा सादलपुर, अजहरुद्दीन पिता नुसरुद्दीन निवासी घाटाबिल्होद, विष्णु पिता नवलसिंह राजपूत निवासी कलसाड़ा खुर्द, सद्दाम पिता हेदर खाँ निवासी नेकपुर, थाना सादलपुर, एहसान पिता मकसूद पटेलनिवासी घाटाबिल्होद को गिरफ्तार किया है, पुलिस ने मौके से 25 हजार 640 रुपए की नगदी और ताश पत्तों को जप्त किया है।

सूने मकान को चोरों ने बनाया निशाना

जेवर व नकदी चुरा ले गए चोर, पड़ताल में जुटी पुलिस

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सैलवाड़ा में अज्ञात चोरों ने सूने मकान को निशाना बनाते हुए चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। घटना 1 जुलाई की बताई जा रही है, जब घर के सभी सदस्य तेंदूखेड़ा में एक पारिवारिक विवाह समारोह में शामिल होने गए हुए थे। बीते दिन सुबह लौटने पर परिजनों ने घर का दरवाजा टूटा हुआ पाया। अंदर प्रवेश करने पर सामान बिखरा मिला और अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवर तथा नकदी गायब थी। प्रारंभिक तौर पर लाखों रुपये की चोरी होने की आशंका जताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार ग्राम सैलवाड़ा निवासी साहब विश्वकर्मा, जो कपड़े का व्यवसाय करते हैं, अपने परिवार सहित रिश्तेदारी में आयोजित शादी में तेंदूखेड़ा गए थे। उनकी पत्नी दो दिन पहले ही विवाह समारोह में पहुंच गई थीं, जबकि 1 जुलाई की शाम साहब विश्वकर्मा अपनी दोनों बेटियों के साथ घर में ताला लगाकर तेंदूखेड़ा चले गए। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने सूने मकान का फायदा उठाते हुए घर में प्रवेश किया और वारदात को अंजाम दिया।

पड़ोसी प्रशांत चौबे के अनुसार गत दिवस सुबह जब परिवार वापस लौटा तो मकान का आधा दरवाजा टूटा हुआ मिला। घर के अंदर का सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था तथा अलमारी में रखे जेवर और नकदी गायब थी। दरवाजे की स्थिति को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि चोर इसी रास्ते से घर में घुसे और चोरी करने के बाद फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पीड़ित परिवार ने तेंदूखेड़ा थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस टीम डॉग स्क्वॉड और फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों के साथ मौके पर पहुंची तथा साक्ष्य जुटाकर जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ संदिग्ध गतिविधियों की भी पड़ताल कर रही है। थाना प्रभारी सरोज ठाकुर ने बताया कि पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है। प्रारंभिक जांच में चोरी गए सामान और नकदी की सही जानकारी स्पष्ट नहीं हो सकी है। उन्होंने बताया कि घर में एक हार मिला है, जिसे परिजन पहले चोरी होना बता रहे थे। ऐसे में परिजनों से विस्तृत जानकारी लेकर चोरी हुए सामान का सत्यापन किया जा रहा है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच कर रही है तथा जांच पूरी होने के बाद ही चोरी गए सामान का सही विवरण स्पष्ट हो सकेगा।

टाइगर रिजर्व में सफारी बंद होने से पहले पर्यटकों को दिखे बाघ- बाघिन

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में बाघ-बाघिन नजर आए टाइगर का यह जोड़ा झाड़ियों के बीच बैठा हुआ था। बारिश के इस सीजन में पहली बार टाइगर रिजर्व में बाघ दिखे हैं बताया जा रहा है कि जंगल सफारी के आखिरी दिन पर्यटक टाइगर रिजर्व में जंगल सफारी करने पहुंचे थे तभी उन्होंने बाघ-बाघिन के जोड़े को जंगल में देखा और उनका वीडियो कैमरे में कैद कर लिया गत दिवस को बाघ-बाघिन का वीडियो सामने आया है। वीडियो में दिख रहा बाघ एन-3 और बाघिन एन-112 है दोनों टाइगर खुशनुमा मौसम के बीच जंगल में झाड़ियों के बीच बैठे हुए हैं। दरअसल 1 जुलाई से 30 सितंबर तक के लिए टाइगर रिजर्व में जंगल सफारी बंद कर दी गई है। अब एक अक्टूबर से पर्यटक जंगल सफारी कर सकेंगे वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में 25 से अधिक बाघ मौजूद हैं बारिश के मौसम में अक्सर बाघ टाइगर रिजर्व में विचरण करते देखे जाते हैं।

नगर निरीक्षक सरोज ठाकुर ने ग्रहण किया कार्यप्रभार

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

थाना क्षेत्र में नवपदस्थ नगर निरीक्षक श्रीमती सरोज ठाकुर ने बुधवार रात्रि को विधिवत रूप से थाना प्रभारी का कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार संभालने के पश्चात उन्होंने सबसे पहले थाना परिसर स्थित भगवान पिपलेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया और विधिवत रूप से अपनी नई जिम्मेदारी की शुरुआत की। कार्यभार ग्रहण करने के दौरान थाना परिसर में पुलिस स्टाफ द्वारा उनका स्वागत किया गया। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया तथा क्षेत्र की कानून-व्यवस्था, लंबित प्रकरणों और पुलिसिंग से जुड़े विभिन्न मामलों की जानकारी ली। निरीक्षक सरोज ठाकुर ने कहा कि थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना तथा आमजन को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी पहली प्राथमिकता नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करना, अव्यवस्थाओं पर नियंत्रण पाना तथा पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना रहेगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अराजकता, अपराध या असामाजिक गतिविधियों पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी और पुलिस पूरी तत्परता के साथ कार्य करेगी। निरीक्षक सरोज ठाकुर ने यह भी कहा कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध निराकरण उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा।

तीसरा पति बना रोड़ा, चौथा विवाह करने की नीयत से पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर की थी पति की हत्या

पति की हत्या की साजिश रचने वाली पत्नी सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

पुलिस को 30 जून को सूचना प्राप्त हुई कि वारूरेवा नदी पुल के पास एनएच-44 से कुछ दूरी पर झाड़ियों में एक अज्ञात पुरुष का शव पड़ा हुआ है। सूचना प्राप्त होते ही पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई तथा वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्रित किए गए। इसके उपरांत शव को पोस्टमार्टम एवं पहचान की कार्रवाई हेतु जिला चिकित्सालय, नरसिंहपुर की मॉर्चुरी भेजा गया।अज्ञात शव की पहचान नरसिंहपुर निवासी तुलसीराम मेहरा के रूप में हुई। 1 जुलाई को डोरीलाल मेहरा द्वारा जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर की मॉर्चुरी में शव की पहचान अपने पुत्र तुलसीराम मेहरा के रूप में की गई। पहचान स्थापित होने के उपरांत पुलिस द्वारा प्रकरण की विवेचना को गति देते हुए विभिन्न पहलुओं पर जांच प्रारंभ की गई। अंधी हत्या के खुलासे हेतु गठित की गई विशेष टीम प्रकरण अंधी हत्या का होने के कारण पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं एसडीओपी के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई।

टीम को वैज्ञानिक साक्ष्यों, तकनीकी विश्लेषण, सीसीटीवी फुटेज, मुखबिर तंत्र एवं अन्य उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर आरोपियों की पहचान एवं गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए। वैज्ञानिक एवं तकनीकी जांच से खुला हत्या का राज मृतक के परिजनों एवं संबंधित व्यक्तियों से पूछताछ, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, घटना स्थल से प्राप्त वैज्ञानिक साक्ष्यों तथा तकनीकी विश्लेषण के आधार पर जांच आगे बढ़ाई गई। विवेचना के दौरान यह तथ्य सामने आया कि मृतक तुलसीराम मेहरा एवं उसकी पत्नी सरोज मेहरा के बीच पारिवारिक एवं चरित्र संबंधी शंका को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। प्रेम प्रसंग बना हत्या का कारण जांच में यह भी सामने आया कि सरोज मेहरा पूर्व में दो विवाह कर चुकी थी तथा लगभग एक वर्ष पूर्व उसने मृतक तुलसीराम मेहरा से विवाह किया था। विवेचना के दौरान प्राप्त साक्ष्यों एवं पूछताछ से पता चला कि सरोज मेहरा के महेन्द्र मेहरा, निवासी पुरगवां के साथ अवैध संबंध थे। मृतक को इस संबंध की जानकारी होने के कारण पति-पत्नी के बीच लगातार विवाद एवं मनमुटाव बना रहता था। पूछताछ में पत्नी ने कबूला हत्या का षड्यंत्र उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर सरोज मेहरा से गहन पूछताछ की गई। वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों के समक्ष उसने महेन्द्र मेहरा के साथ अपने संबंध स्वीकार करते हुए उसके साथ मिलकर पति तुलसीराम मेहरा की हत्या की साजिश रचने की बात स्वीकार की।

मेट्रो एंकर — खेत में बखरनी रोकने पर बदमाशों ने की महिला को जिंदा जलाने की कोशिश

मां को जिंदा जलता देख आग में कूदा बेटा, महिला की हत्या का प्रयास

सागर। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के सागर जिले के बीना के अंतर्गत आने वाले ग्राम पड़रिया में गुरुवार को खेत में बखरनी करने से रोकने पर एक महिला पर कुछ बदमाशों ने डीजल डालकर आग लगाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने महिला को जान से मारने की नीयत से आग लगाई है। घटना में महिला गंभीर रूप से झुलस गई, जबकि उसे बचाने की कोशिश में उसका बेटा भी आग की चपेट में आकर झुस गया है। इस सनसनीखेज वारदात को बाद दोनों घायलों को बीना के सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद महिला को गंभीर हालत में सागर जिला अस्पताल रेफर किया गया है। वहीं, घटना की जानकारी लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम पड़रिया में रहने वाली 40 वर्षीय महिला रीना बाई पति अरविंद ठाकुर गुरुवार सुबह अपने बेटे के साथ अपने खेत पर पहुंची थी। आरोप है कि, उनके खेत से लगे एक खेत में कुछ लोग बखरनी कर रहे थे। महिला ने उनसे कहा कि पहले खेत मालिक को आ जाने दो, उसके बाद ही बखरनी करना। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। गंभीर रूप से घायल महिला द्वारा दिए बयान के अनुसार विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने पहले महिला के बेटे के ऊपर ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश की। हालांकि, उसने समय रहते भागकर अपनी जान बचा ली। इसी दौरान पीछे से आए एक व्यक्ति ने उसके ऊपर डीजल डाल दिया। इससे पहले की वो किछ समझ पाती, दूसरे शख्स ने आग लगा दी। देखते ही देखते वो आग की लपटों में घिर गईं और गंभीर रूप से झुलस गईं।

मां को बचाने में बेटा भी झुलसा

मां को आग में घिरा देखकर बेटा उसे बचाने के लिए दौड़कर वापस आया और मां से लिपट गया। उसने किसी तरह जमीन पर लौटकर आग की लपटों में घिरी मां को बचा लिया, पर खुद भी आग की लपटों से झुलस गया। इधर, वारदात को अंजाम देकर आरोपी मौके से फरार हो गए। आग से झुलसकर मां-बेटे को तड़पता देख किसी शख्स ने डायल-112 को सूचना दी। जानकारी लगते ही मौके पर पहुंची डायल-112 की टीम ने तत्काल घायलों को बीना सिविल अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टर ने महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे तुरंत ही सागर रेफर कर दिया। जबकि, उसका बेटे का सिविल अस्पताल में इलाज जारी है।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

घटना की जानकारी लगते ही थाना प्रभारी अनूप यादव भी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद उन्होंने अस्पताल पहुंचकर घायल महिला से घटना की जानकारी जुटाई और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की भूमिका की पड़ताल की जा रही है।

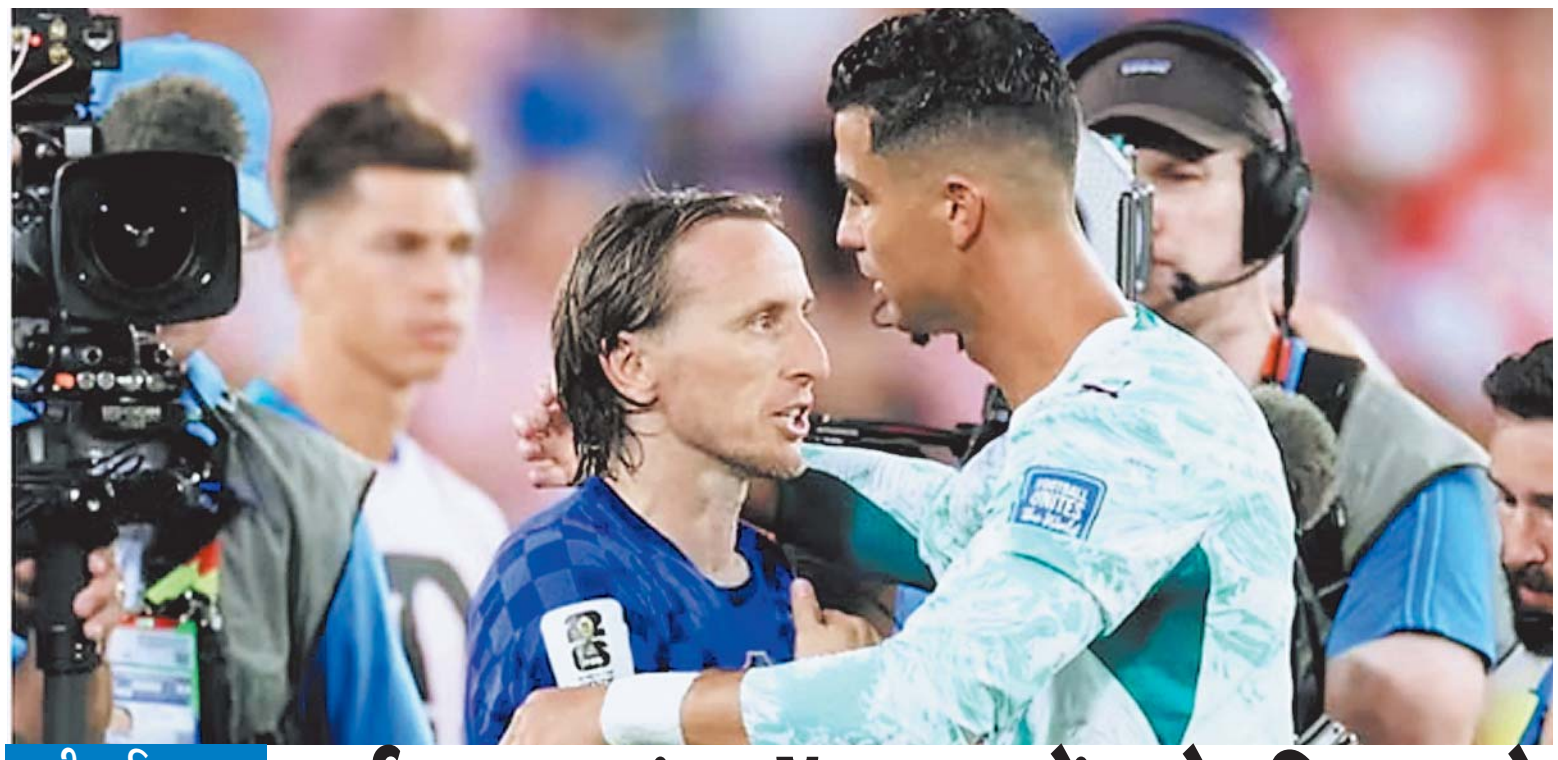

फीफा विश्वकप 2026:टोरंटो में खेले गए मैच में देखने को मिला फुल ऑन ड्रामा

पुर्तगाल राउंड ऑफ-16 में, क्रोएशिया को हराया; रोनाल्डो-रामोस ने दागे गोल

टोरंटो, एजेंसी

पुर्तगाल ने फीफा विश्वकप 2026 के राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली है। उसने राउंड ऑफ 32 में क्रोएशिया को 2-1 से हरा दिया। टोरंटो में खेले गए इस मैच में फुल ऑन ड्रामा देखने को मिला है। सांस रोक देने वाले इस मैच में आखिरकार पुर्तगाल ने जीत हासिल की और अब राउंड ऑफ 16 में उनका सामना 2010 की चैंपियन स्पेन से होगा। यह मुकाबला डैलस में सात जुलाई को खेला जाएगा।

वहीं, क्रोएशिया की टीम विश्वकप से बाहर हो गई है। पुर्तगाल की ओर से क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पेनल्टी पर गोल दागा। वहीं, गोंजालो रामोस ने इंजरी टाइम में यानी 90+4वें मिनट में गोल किया। वहीं, क्रोएशिया की ओर से पेरिसिच ने 53वें मिनट में गोल किया था। क्रोएशिया के दिग्गज फुटबॉलर लुका मॉड्रिच का यह आखिरी विश्वकप था और मैच के बाद रोनाल्डो ने उन्हें गले लगा लिया। दोनों एक साथ स्पैनिश क्लब रियल मैड्रिड के लिए खेल चुके हैं और अच्छे दोस्त हैं।

हाफ टाइम तक का खेल

हाफ टाइम तक कोई गोल नहीं हो सका था। पुर्तगाल की टीम ने पहले हाफ में लगातार काउंटर अटैक किए। रोनाल्डो ने शुरुआती 10 मिनट में हेडर से गोल का एक आसान मौका छोड़ दिया। इसके अलावा पुर्तगाल ने कई और मौके भी गंवाए। क्रोएशिया के डिफेंडर्स शानदार बचाव करते दिखे। पहले हाफ में पुर्तगाल क पजेशन 60 प्रतिशत रहा, जबकि क्रोएशिया का पजेशन 28 प्रतिशत रहा। पहल हाफ में पुर्तगाल ने नौ गोल अटैम्प्ट किए, जबकि क्रोएशिया ने तीन गोल अटैम्प्ट किए।

रोनाल्डो ने पुर्तगाल की कराई वापसी

दूसरे हाफ में असली ड्रामा शुरू हुआ। 53वें मिनट में क्रोएशिया के इवान पेरिसिच ने गोल दाग अपनी टीम को पुर्तगाल पर 1-0 की बढ़त दिला दी थी।

इसके बाद दबाव में आई पुर्तगाल की टीम ने जबरदस्त वापसी की। मैदान पर हाईवोल्टेज ड्रामा ने इसमें उनकी मदद भी की।

64वें मिनट में पुर्तगाल के कॉर्नर पर क्रोएशिया के निकोला वालसिच ने बॉक्स के अंदर पुर्तगाली खिलाड़ी वेगा को रोकने की कोशिश की।

रेफरी ने वार के जरिये जांच की और पाया की यह जानबूझकर किया गया था यानी डेलिब्रेटेड था।

इस पर पुर्तगाल को पेनल्टी मिला और रोनाल्डो ने गोल दाग पुर्तगाल की वापसी कराई और स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

यह रोनाल्डो का फीफा विश्वकप इतिहास के नॉकआउट मैच में पहला गोल रहा। इससे पहले उन्होंने सारे गोल ग्रुप स्टेज में किए थे।

यह रोनाल्डो का इस विश्वकप में तीसरा गोल रहा। इससे पहले दो गोल उन्होंने उज्बेकिस्तान के खिलाफ ग्रुप स्टेज में किए थे।

81वें मिनट में रोनाल्डो को सब्सटिट्यूट किया गया। उनकी जगह रुबेन नेवेस मैदान पर आए। हालांकि, असली ड्रामा तो बाकी था।

राउंड ऑफ 32 तक का सफर

पुर्तगाल ने ग्रुप के में शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच अंकों के साथ नॉकआउट में जगह बनाई थी। टीम पूरे ग्रुप चरण में अजेय रही थी, जिसमें एक जीत और दो ड्रॉ शामिल रहे। पुर्तगाल ने ग्रुप स्टेज में छह गोल किए थे और केवल एक गोल खाया, जिससे उसकी मजबूत डिफेंस का भी पता चलता है। दूसरी ओर, क्रोएशिया ने ग्रुप रु में छह अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए अगले दौर का टिकट हासिल किया था। शुरुआती झटके के बाद टीम ने लगातार दो मुकाबले जीतकर शानदार वापसी की। क्रोएशिया ने ग्रुप स्टेज में पांच गोल किए, लेकिन पांच गोल भी खाए।

स्पेन की एकतरफा जीत, ऑस्ट्रिया को 3-0 से हराकर पार की नॉकआउट की बाधा

लॉस एंजिलिसे, एजेंसी

फीफा विश्व कप 2026 के राउंड-ऑफ-32 के मुकाबले में स्पेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रिया को 3-0 से हराकर अंतिम-16 में जगह पक्की कर ली। लॉस एंजिलिस स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में मिकेल ओयरजाबल ने दो गोल दागे, जबकि पेड्रो पोरो ने अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला गोल कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। अब स्पेन का सामना छह जुलाई को डलास में पुर्तगाल से सामना होगा। मैच की शुरुआत से ही स्पेन ने आक्रामक रुख अपनाया। पहले ही मिनट में लामिन यमल ने गोल पर शॉट लगाकर ऑस्ट्रिया के डिफेंस को सतर्क कर दिया। इसके बाद स्पेन लगातार हमले करता रहा। मार्क कुकुरेला ने कॉर्नर पर गेंद को गोल में पहुंचाया, लेकिन गोलकीपर अलेक्जेंडर श्लेगर पर फाउल के कारण रेफरी ने गोल रद्द कर दिया। 36वें मिनट में कुकुरेला के शानदार लो-क्रॉस पर मिकेल ओयरजाबल ने फर्स्ट-टच फिनिश के साथ गेंद को नेट में पहुंचाकर स्पेन को 1-0 की बढ़त दिलाई। पहले हाफ के अंत तक एलेक्स बाएना की फ्री-किक क्रॉसबार से टकराई, जबकि यमल के एक और प्रयास को श्लेगर ने शानदार बचाव से रोक दिया।

पोरो और ओयरजाबल ने दिलाई बड़ी जीत

दूसरे हाफ की शुरुआत में ऑस्ट्रिया ने वापसी की कोशिश की। 61वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी सासा कालाज्जिच को हेडर से गोल करने का मौका मिला, लेकिन वह गेंद को गोलपोस्ट के अंदर नहीं रख सके। इसके बाद स्पेन ने मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया। 66वें मिनट में एलेक्स बाएना के सटीक क्रॉस पर पेड्रो पोरो ने शानदार हेडर लगाकर स्कोर 2-0 कर दिया। यह स्पेन के लिए उनका पहला अंतरराष्ट्रीय गोल था। 89वें मिनट में स्पेन ने जीत पर मुहर लगा दी। एक बार फिर मार्क कुकुरेला के क्रॉस पर मिकेल ओयरजाबल ने स्लाइड करते हुए गेंद को गोल में पहुंचाया और अपना दूसरा तथा टीम का तीसरा गोल दागकर स्पेन को 3-0 की शानदार जीत दिलाई।

विंबलडन में जोकोविच का विराट दम!

सिटसिपास को रौंदकर तीसरे दौर में एंट्री, सिर्फ 98 मिनट में खत्म किया रोचक मुकाबला

लंदन। विंबलडन 2026 में सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच का विजयी अभियान पूरे शबाब पर है। दुनिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी ने दूसरे दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए ग्रीस के स्टेफानोस सिटसिपास को एकतरफा मुकाबले में हराकर तीसरे दौर का टिकट पक्का कर लिया। जोकोविच ने महज 98 मिनट में 6-3, 6-4, 6-2 से जीत दर्ज करते हुए साबित कर दिया कि घास के कोर्ट पर उनका दबदबा अब भी कायम है। पूरे मैच में उन्होंने आक्रामक खेल, सटीक सर्विस और बेहतरीन रिटर्न का शानदार प्रदर्शन किया, जबकि सिटसिपास उनके अनुभव और लय के सामने बेबस नजर आए।

शुरुआत से ही जोकोविच का रहा दबदबा

पहले दौर में चार सेट तक संघर्ष करने वाले जोकोविच इस बार बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आए। मैच की शुरुआत से ही उन्होंने आक्रामक रवैया अपनाया और सिटसिपास को लय बनाने का मौका नहीं दिया। पहले सेट में दमदार सर्विस और सटीक ग्राउंड स्ट्रोक्स की बदौलत उन्होंने सिर्फ 27 मिनट में 6-3 से बढ़त बना ली।

दूसरे सेट में मिली चुनौती, अनुभव आया काम

दूसरे सेट में स्टेफानोस सिटसिपास ने मुकाबले में वापसी की कोशिश की। उनकी सर्विस बेहतर रही और कुछ समय तक दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। हालांकि, अहम मौकों पर जोकोविच ने अपने अनुभव का परिचय दिया। लंबी रैलियों में धैर्य बनाए रखते हुए उन्होंने सही समय पर सर्विस ब्रेक किया और 6-4 से दूसरा सेट भी अपने नाम कर लिया। तीसरे सेट में जोकोविच ने अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाया। 3-2 की बढ़त के बाद उन्होंने सिटसिपास की सर्विस तोड़ी और फिर उन्हें वापसी का कोई मौका नहीं दिया। लगातार शानदार विनर्स और बेहतरीन रिटर्न के दम पर उन्होंने सेट 6-2 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

महिला टी-20 विश्व कप, फाइनल की दोनों टीमें तय

7वें खिताब की तलाश में कंगारू इंग्लैंड की नजर दूसरे ताज पर

लंदन। महिला टी20 विश्व कप 2026 अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुका है। टूर्नामेंट को दोनों फाइनलिस्ट मिल चुके हैं। पहले सेमीफाइनल में छह बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में मेजबान इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 40 रन से मात देकर खिताबी मुकाबले का टिकट हासिल किया। अब दोनों टीमें पांच जुलाई (रविवार) को लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान पर आमने-सामने होंगी। ऑस्ट्रेलिया की नजर रिकॉर्ड सातवें महिला टी20 विश्व कप खिताब पर होगी, जबकि इंग्लैंड की टीम 2009 के बाद दूसरी बार विश्व विजेता बनने के इरादे से उतरेगी। यह मुकाबला महिला क्रिकेट की दो सबसे मजबूत टीमों के बीच होगा। ऑस्ट्रेलिया पिछले एक दशक से इस टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम रही है, जबकि इंग्लैंड घरेलू परिस्थितियों और दर्शकों के समर्थन का फायदा उठाकर 17 साल बाद ट्रॉफी जीतने की कोशिश करेगा।

ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड, सातवें खिताब से सिर्फ एक जीत दूर

महिला टी20 विश्व कप के इतिहास में ऑस्ट्रेलिया सबसे सफल टीम रही है। टीम अब तक सात बार फाइनल खेल चुकी है और छह बार चैंपियन बनी है।

ऑस्ट्रेलिया का फाइनल रिकॉर्ड

2010 - चैंपियन
2012 - चैंपियन
2014 - चैंपियन
2016 - उपविजेता
2018 - चैंपियन
2020 - चैंपियन
2023 - चैंपियन
2026 - फाइनल

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

इंटीमेट सीन से नहीं बेवफाई से टूटते हैं रिश्ते

सिंपल कौल ने रिश्तों - भरोसे पर खुलकर रखी अपनी बात

मुंबई। टेलीविजन की लोकप्रिय अभिनेत्री सिंपल कौल ने इंटीमेट सीन्स, रिश्तों में भरोसे और बेवफाई जैसे संवेदनशील मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखी है। अपने बेबाक अंदाज के लिए पहचानी जाने वाली सिंपल का कहना है कि फिल्मों और वेब सीरीज में किए जाने वाले किसिंग या इंटीमेट सीन्स को कलाकारों की निजी जिंदगी से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। उनके मुताबिक यह सिर्फ एक पेशेवर जिम्मेदारी होती है, जिसे कलाकार कहानी और किरदार की मांग के अनुसार निभाते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अभिनय और निजी रिश्तों में वफादारी दो बिल्कुल अलग बातें हैं और किसी भी रिश्ते में धोखे की कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

एक इंटरव्यू में सिंपल कौल ने कहा कि अभिनय एक पेशा है, जहां कलाकारों को स्क्रिप्ट की जरूरत के मुताबिक अलग-अलग तरह के किरदार निभाने पड़ते हैं। अगर किसी कहानी में किसिंग या इंटीमेट सीन जरूरी है, तो अभिनेता उसे अपने काम का हिस्सा मानकर करते हैं। उन्होंने कहा कि दर्शकों को कैमरे पर दिखने वाली चीजों को कलाकारों की निजी जिंदगी से जोड़कर नहीं देखना चाहिए, क्योंकि वे उस समय सिर्फ अपने किरदार को निभा रहे होते हैं।

सिंपल ने अपने निजी जीवन का उदाहरण देते हुए कहा कि अगर उनके पति को किसी फिल्म या शो में ऐसे दृश्य करने पड़ें, तो उन्हें इससे कोई आपत्ति नहीं होगी। उनके मुताबिक किसी भी रिश्ते की सबसे बड़ी ताकत विश्वास होता है। यदि पति-पत्नी के बीच भरोसा मजबूत है, तो पेशेवर कारणों से किए गए ऐसे सीन्स रिश्ते को प्रभावित नहीं कर सकते।

अभिनय- बेवफाई में है बड़ा फर्क

अभिनेत्री ने साफ कहा कि कैमरे के सामने निभाया गया किरदार और असल जिंदगी में किसी दूसरे व्यक्ति के साथ रिश्ता बनाना दोनों अलग-अलग बातें हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति अपने रिश्ते से बाहर जाकर किसी और के साथ संबंध बनाता है, तो वह पूरी तरह गलत है। इसे किसी भी तरह पेशेवर काम से जोड़कर सही नहीं ठहराया जा सकता। सिंपल कौल ने कहा कि चीटिंग का कोई दूसरा मतलब नहीं होता। अगर दो लोग एक-दूसरे से सच्चा प्यार करते हैं, तो उन्हें अपने रिश्ते के प्रति पूरी ईमानदारी रखनी चाहिए। उनका मानना है कि किसी भी मजबूत रिश्ते की नींव भरोसे पर टिकी होती है और जब यही भरोसा टूट जाता है तो रिश्ता भी कमजोर पड़ने लगता है।

दिव्या भारती के निधन की खबर सुन शूटिंग छोड़ मुंबई रवाना हो गए थे सुनील शेट्टी, मधु ने सुनाई भावुक कहानी

बॉलीवुड की दिवंगत अभिनेत्री दिव्या भारती आज भी अपने छोटे लेकिन बेहद सफल फिल्मी सफर और रहस्यमयी मौत को लेकर चर्चा में रहती हैं। उनके निधन ने न सिर्फ फिल्म इंडस्ट्री बल्कि उनके करीबियों को भी गहरा सदमा दिया था। अब अभिनेत्री मधु ने फिल्म हम हैं बेमिसाल की शूटिंग से जुड़ा एक भावुक किस्सा साझा किया है। उन्होंने बताया कि जब फिल्म की शूटिंग हिमाचल प्रदेश के शिमला में चल रही थी, तभी पूरे यूनिट को दिव्या भारती के निधन की खबर मिली। यह खबर सुनते ही सेट पर मातम जैसा माहौल बन गया और अभिनेता सुनील शेट्टी तुरंत शूटिंग छोड़कर मुंबई रवाना हो गए। मधु ने बताया कि उस समय वह और सुनील शेट्टी शिमला में हम हैं बेमिसाल की शूटिंग कर रहे थे। सब कुछ सामान्य तरीके से चल रहा था, लेकिन अचानक दिव्या भारती के निधन की खबर ने पूरे माहौल को बदल दिया। उन्होंने कहा कि किसी को समझ नहीं आ रहा था कि इस दुखद समाचार पर कैसे प्रतिक्रिया दी जाए। पूरी यूनिट स्तब्ध थी और शूटिंग का माहौल शोक में बदल गया। मधु ने बताया कि सुनील शेट्टी और दिव्या भारती के बीच बेहद अच्छे संबंध थे। दोनों एक-दूसरे का काफी सम्मान करते थे और अच्छी दोस्ती साझा करते थे।

जैसे ही सुनील शेट्टी को दिव्या के निधन की जानकारी मिली, उन्होंने बिना देर किए शूटिंग बीच में ही छोड़ दी और तुरंत मुंबई के लिए रवाना हो गए। मधु के मुताबिक, यह खबर सुनील शेट्टी के लिए व्यक्तिगत रूप से बेहद बड़ा झटका थी। मधु ने यह भी बताया कि उनकी कभी दिव्या भारती से व्यक्तिगत मुलाकात नहीं हुई थी, लेकिन दोनों परिवारों के बीच पुराने और आत्मीय संबंध थे। उन्होंने कहा कि उनके पिता और दिव्या भारती के पिता एक-दूसरे को अच्छी तरह जानते थे, इसलिए दिव्या से एक पारिवारिक अपनापन महसूस होता था। यही वजह थी कि उनके निधन की खबर ने उन्हें भी गहराई से प्रभावित किया।

मेट्रो बाजार

2030 तक इलेक्ट्रिक व्हीकल्स देंगे बड़ी राहत, एक लाख करोड़ तक घट सकता है आयात बिल

नई दिल्ली । पश्चिम एशिया संकट के चलते भारतीयों का इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की तरफ रुझान बढ़ा है और 2030 तक ईवी की बाजार हिस्सेदारी 20 प्रतिशत पहुंचने से आयात बिल में एक लाख करोड़ रुपए की कमी आ सकती है। यह जानकारी एसबीआई रिसर्च की ओर से गुरुवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

मौजूदा समय में भारतीय बाजार में ईवी की हिस्सेदारी करीब 10 प्रतिशत है। अमेरिका-ईरान युद्ध 28 फरवरी को शुरू होने के बाद भारत में ईवी के पंजीकरण में जोरदार तेजी देखने को मिली। मार्च-जून की अवधि में देश में औसत 2.3 लाख ईवी प्रति माह पंजीकृत हुए हैं, यह आंकड़ा 2025 में औसत 1.3 लाख प्रति माह था। रिपोर्ट में कहा गया, ÷मौजूदा रफ्तार को देखते हुए, हमें लगता है कि 2026 में कुल ईवी पंजीकरण 25 लाख का आंकड़ा पार कर सकते हैं। कुल पंजीकरण में पूर्ण ईवी की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। 2024 में पूर्ण ईवी की हिस्सेदारी 2 प्रतिशत से भी कम थी, जो 2026 में अब तक बढ़कर 8 प्रतिशत से अधिक हो गई है। कुछ राज्यों में पूर्ण ईवी की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत से भी अधिक हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 29,151 चार्जिंग स्टेशन हैं। कुल चार्जिंग स्टेशनों में से 35 प्रतिशत सिर्फ दो राज्यों (कर्नाटक और महाराष्ट्र) में हैं। नई ईवी पॉलिसी के तहत, दिल्ली सरकार अगले चार सालों में 32,000 चार्जिंग पॉइंट का इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने की योजना बना रही है। रिपोर्ट में कहा गया है, ÷ईवी की सफलता काफी हद तक चार्जिंग स्टेशनों की उपलब्धता पर निर्भर करेगी।

यूजरनेम फीचर को व्हाट्सएप ने बताया वैकल्पिक, कहा-फोन नंबर की तरह ही नहीं होगा पाएगा सर्च

नई दिल्ली । व्हाट्सएप ने अपने नए %यूजरनेम% फीचर को लेकर एफएक्यू (लगातार पूछे जाने वाले सवालों के जवाब) जारी किया है, जिसमें सोशल मीडिया कंपनी ने कहा कि यूजरनेम फीचर अनिवार्य नहीं, बल्कि वैकल्पिक है। सोशल मीडिया पर जारी इस एफएक्यू में यूजरनेम फीचर की प्राइवेसी पर व्हाट्सएप ने कहा कि जैसे आप व्हाट्सएप में किसी अनजान का फोन नंबर नहीं खोज सकते, वैसे ही आप यूजरनेम भी नहीं खोज सकते हैं।

साथ ही, अनचाहे संपर्क को रोकने के लिए सभी मौजूदा उपाय लागू रहेंगे, जिनमें अनजान मैसेज भेजने वालों के बारे में जानकारी देने वाली चेतावनियां (जैसे कि क्या वे नया अकाउंट हैं, क्या आप कोई ग्रुप शेयर करते हैं, या वे किस देश में हैं) और ब्लॉक व रिपोर्ट करने की सुविधा शामिल है। इसके अलावा, कंपनी यूजर्स को सलाह दी कि किसी को आपसे संपर्क करने से रोकने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप एक यूजरनेम की जोड़ें और ऐसा यूजरनेम चुनें जो व्हाट्सएप पर यूनिक हो। व्हाट्सएप ने आगे कहा कि अगर कोई यूजरनेम इंस्टाग्राम या फेसबुक पर किसी यूजर के द्वारा उपयोग हो रहा है, तो वह उनके लिए रिजर्व होगा।

इसके साथ व्हाट्सएप ने कहा ही कि लोग लोकप्रिय या जाने-माने यूजरनेम रिजर्व करने के बारे में जो दावे कर रहे हैं, वह सच नहीं है, सिर्फ असली अकाउंट के मालिक ही मशहूर सार्वजनिक हस्तियों के नाम रिजर्व कर सकते हैं। हमने इस साल के आखिर में यूजरनेम लॉन्च होने से पहले ही रिजर्वेशन की सुविधा शुरू कर दी है, क्योंकि हमें लगता है कि लोग इस बात को लेकर काफी उत्साहित होंगे कि वे व्हाट्सएप पर कौन सा यूजरनेम चाहते हैं।

मलेशिया में पाम ऑयल की खेती...

कुआलालंपुर। यह तस्वीर मलेशिया के नेगेरी सेम्बिलान स्थित पाम ऑयल बागान की है। यहां काफी बड़े पैमाने में पाम पेड़ लगाए गए हैं। बता दें कि भारत में पिछले करीब दो दशकों में पाम ऑयल की खपत 230 प्रतिशत बढ़कर 30 लाख टन से लगभग एक करोड़ टन तक पहुंच गई है। सस्ता और बहुउपयोगी होने के कारण इसकी मांग लगातार बढ़ रही है, जबकि देश अपनी 70 प्रतिशत से अधिक खाद्य तेल जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है, जिसमें करीब 60 प्रतिशत हिस्सा पाम ऑयल का है।

हत्या केस में दोषी विधायक राजू सिंह की सजा पर फैसला आज

मुजफ्फरपुर। जिले के साहेबगंज विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री राजू कुमार सिंह की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में गैर इरादतन हत्या मामले में आज सजा के बिंदु पर सुनवाई पूरी होनी है। सुनवाई के बाद अदालत उनके खिलाफ सजा का ऐलान कर सकती है। इससे पहले अदालत ने वर्ष 2018 के न्यू ईयर समारोह के दौरान हुई एक महिला चिकित्सक की मौत के मामले में राजू कुमार सिंह को दोषी करार दिया था। दोषसिद्धि के बाद अदालत ने सजा पर सुनवाई के लिए 3 जुलाई की तारीख तय की थी। राजू कुमार सिंह की ओर से अदालत में उनके अधिवक्ताओं ने अच्छे आचरण का हवाला देते हुए सजा में रियायत देने की अपील की है। मुजफ्फरपुर में उनके अधिवक्ता विनोद कुमार सिंह ने बताया कि गैर इरादतन हत्या के मामले में अधिकतम 10 वर्ष के कारावास का प्रावधान है, जबकि न्यूनतम सजा तय नहीं है। उन्होंने कहा कि सजा की अवधि तय करना अदालत के विवेक पर निर्भर करता है।

पिछले 24 घंटों में हुई बारिश के बाद प्रशासन ने कई जिलों में अलर्ट जारी किया

हिमाचल में बारिश-भूस्खलन से आफत 9 लोगों की मौत, 49 से ज्यादा सड़कें बंद

शिमला, एजेंसी

हिमाचल में मानसून के दस्तक देने के बाद राहत के साथ लोगों की दुश्वारियां भी बढ़ गई हैं। शिमला, कांगड़ा, लाहुल स्पीति व चंबा जिलों में हादसों में दो महिलाओं सहित चार लोगों की मौत हो गई। प्रदेश में वीरवार को रोहतांग, बारालाचा व शिंकुला दर्रे में हल्का हिमपात और कई स्थानों पर वर्षा हुई। 24 घंटे के दौरान भारी वर्षा और भूस्खलन से 49 सड़कें बंद हैं और 42 ट्रांसफार्मर खराब होने से बिजली आपूर्ति बाधित है। धान व मक्की की बिजाई के लिए वर्षा का इंतजार कर रहे किसानों को राहत मिली है। लाहुल-स्पीति जिले के एचआरटीसी केलंग डिपो के चालक-परिचालक उदयपुर से मयाड़ घाटी रूट पर गए थे। सुबह उदयपुर लौटते समय परिचालक ज्ञान सिंह निवासी लडभड़ोल वीरवार सुबह बावड़ी के पास ब्रश कर रहा था। इस दौरान नीचे झुकने पर पहाड़ी से पत्थर उसके सिर पर गिरा, जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। चालक ने दुर्घटना की सूचना उदयपुर थाना में दी। एसपी लाहुल स्पीति शिवानी मेहला ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया है। शिमला के रामपुर उपमंडल के पीपलीधार स्थित निरसु गांव के समीप वीरवार को करंट लगने से 60 वर्षीय महिला की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, केबल लाइन में लोहे की पतली तार लगी थी, जो रास्ते में गिरी थी। यह तार करीब आठ से नौ मीटर दूर बिजली के सर्विस वायर के साथ लगे लोहे के तार से जुड़ी थी।

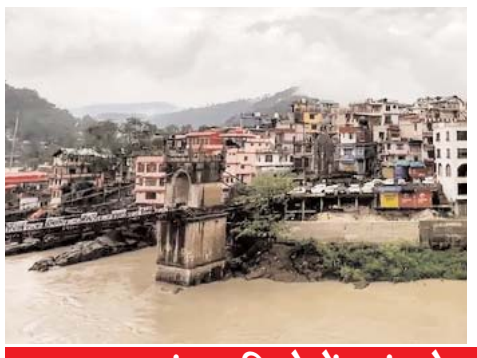

उत्तर प्रदेश: लखनऊ सहित 5 शहरों में बारिश का पानी घरों में घुसा

इधर, यूपी में आज सुबह 3 बजे लखनऊ, बाराबंकी, उन्नाव, जालौन समेत 5 शहरों में बारिश हुई। पानी घरों में घुस गया। गुजरात के वलसाड में सड़कें पानी में डूब गईं, गाड़ियां चलते-चलते बंद हो गईं।

कांगड़ा जिले में करंट से पलंबर की मौत

हादसों में वर्षा या अन्य कारण से करंट पास होने की आशंका है। कांगड़ा जिले के देहरा उपमंडल के मसोट में टुल्लू पंप लगाते समय करंट से पलंबर की जान चली गई। चंबा जिला में अगाहर गांव में पांव फिसलने से ढांक में गिरकर महिला की मौत हो गई। चंबा जिले के भरमौर में वीरवार सुबह भारी वर्षा से सियूंर नाले में बाढ़ आने पर ग्रीमा की ओर जाने वाली सड़क का करीब 60 फीट हिस्सा बह गया। इससे होली-सियूंर-ग्रीमा मार्ग पर वाहनों की आवाजाही ठप हो गई। चंबा-भरमौर एनएच दिनका घार में भूस्खलन से करीब चार घंटे बंद रहा। बिलासपुर जिले में मूसलधार वर्षा ने गर्मी से राहत तो दी, लेकिन कई सड़कें जलमग्न हो गईं। पत्थर और मिट्टी चेतना चौक तक सड़क पर आने से यातायात प्रभावित हुआ।

पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी बोले-

'रेसिंग कारों में इथेनॉल के इस्तेमाल से तेजी से रफ्तार पकड़ने में मिलती है मदद'

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में इन दिनों पेट्रोल में इथेनॉल के इस्तेमाल को लेकर जबरदस्त बहस छिड़ी हुई है। मामले पर पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि रेसिंग कारों में इथेनॉल का इस्तेमाल किया जा रहा है और यह बायोफ्यूल उन्हें तेजी से रफ्तार पकड़ने में मदद करता है।

मिडिल ईस्ट संकट की वजह से कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में हालिया उतार-चढ़ाव के बीच तेल मार्केटिंग कंपनियों पर पड़े भारी आर्थिक बोझ का जिक्र करते हुए पुरी ने बायोफ्यूल की ज्यादा ब्लेंडिंग को बढ़ावा देने के सरकार के फैसले का बचाव किया। पुरी ने कहा, कुछ लोग कह रहे हैं कि फ्यूल माइलेज कम हो जाएगा। अब यह बात अच्छी तरह साबित हो चुकी है कि इथेनॉल का इस्तेमाल रेसिंग कारों में भी होता है। इससे गाड़ी की रफ्तार पकड़ने की क्षमता (एक्सेलरेशन) बेहतर होती है।

सिर्फ 20 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग होती है

अपनी बात आगे बढ़ाते हुए पेट्रोलियम मंत्री ने कहा, मैं कोई आरोप नहीं लगा रहा हूं लेकिन एक बात बिल्कुल साफ होनी चाहिए। भारत के बढ़ते कंज्यूमर मार्केट में सभी टेक्नोलॉजी के साथ-साथ चलने की काफी गुंजाइश है। यहां इलेक्ट्रिक गाड़ियों और बायोफ्यूल-ब्लेंडेड गाड़ियों के लिए जगह है और अभी हम सिर्फ 20 परसेंट इथेनॉल ब्लेंडिंग पर हैं। अगर हम 20 परसेंट से 25 परसेंट पर जाते हैं तो ऐसा सभी जरूरी टेस्ट पूरे होने के बाद ही होगा। हाइब्रिड गाड़ियों और सीएनजी गाड़ियों के लिए भी काफी गुंजाइश है।

शराब पार्टी के बाद कपड़े उतरवाए, फिर बिल्डर की उंगलियां व प्राइवेट पार्ट काटा

भागलपुर, एजेंसी

बिल्डर बजरंग कुमार की हत्या का तरीका इस ओर इशारा कर रहा है कि कातिलों के मन में उसके प्रति गहरी नफरत थी। पहले बजरंग के साथ शराब पार्टी हुई, फिर उसके कपड़े उतरवाए गए और बेरहमी से गला, हाथ की चार अंगुलियां तथा प्राइवेट पार्ट काट डाला गया। वारदात के बाद न तो ऑफिस के सामान से कोई छेड़छाड़ की गई और न ही नीचे खड़ी उसकी बाइक ले जाई गई। इससे शुरुआती तौर पर यह आशंका मजबूत हो रही है कि हत्यारों का मकसद सिर्फ बजरंग की हत्या करना था। घटना तिलकामांझी थाना के ठीक सामने स्थित बिल्डिंग में हुई, लेकिन किसी को भनक तक नहीं लगी। ऑफिस से मिले शराब पीने के ग्लास इस ओर संकेत कर रहे हैं कि हत्या से पहले वहां शराब पार्टी हुई थी। पुलिस का मानना है कि थाने के सामने स्थित ऑफिस में इस तरह बैठकर शराब पीना तभी संभव है, जब साथ मौजूद लोग बजरंग के बेहद करीबी रहे हों और उन्हें वहां आने-जाने में कोई संकोच नहीं रहा हो।

पुलिस को घटनास्थल से संघर्ष के बहुत अधिक निशान नहीं मिले हैं। बजरंग का शव निर्वस्त्र अवस्था में मिला। हाथ की चार अंगुलियां कटी हुई थीं। आशंका है कि धारदार हथियार के वार से बचने की कोशिश में उसने हथियार पकड़ लिया होगा या फिर अंगुलियां जानबूझकर काटी गई हों। हालांकि इस संबंध में

महाराष्ट्र में पत्नी ने पति का तार से घोंटा गला

बीड। महाराष्ट्र के बीड जिले में एक महिला ने कथित तौर पर अपने पति की तार से गला घोंटकर हत्या कर दी और फिर उसकी मौत को हार्ट अटैक का मामला दिखाने की कोशिश की। मृतक की पहचान शरीफ पठान के तौर पर हुई है, जबकि आरोपी उसकी पत्नी नसरीन पठान है। नसरीन ने कथित तौर पर यह कठोर कदम तब उठाया जब उसे अपने पति की शराब की लत के कारण लगातार परेशान किया जा रहा था। हत्या के बाद उसने कथित तौर पर दावा किया कि शरीफ की मौत हार्ट अटैक से हुई थी। हालांकि, पुलिस पूछताछ के दौरान नसरीन ने कथित तौर पर अपने पति का तार से गला घोंटने की बात कबूल कर ली।

पत्रकारिता की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए नैतिकता जरूरी : आलोक मेहता

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

वरिष्ठ पत्रकार एवं पद्मश्री सम्मानित आलोक मेहता ने कहा है कि पत्रकारिता की साख और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए प्रत्येक पत्रकार को अपनी नैतिक लक्ष्मण रेखा का स्वयं पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि निष्पक्षता, सत्यनिष्ठा और सामाजिक उत्तरदायित्व ही पत्रकार की सबसे बड़ी पूंजी हैं। वर्तमान दौर में मीडिया के सामने अनेक चुनौतियां मौजूद हैं, लेकिन इसके बावजूद ईमानदार और मूल्यनिष्ठ पत्रकार आज भी समाज का विश्वास बनाए हुए हैं। उज्जैन प्रवास के दौरान चुनिंदा पत्रकारों के साथ आयोजित संवाद कार्यक्रम में मेहता ने कहा कि पत्रकार का दायित्व केवल सनसनीखेज खबरें प्रस्तुत करना नहीं, बल्कि समाज को सही, संतुलित और सकारात्मक दिशा देना भी है। उन्होंने पत्रकारों से किसी भी प्रकार के बाहरी दबाव, पूर्वाग्रह और प्रलोभन से दूर रहकर तथ्यों पर आधारित जिम्मेदार पत्रकारिता करने का आह्वान किया। चर्चा के दौरान डिजिटल पत्रकारिता, फेक न्यूज की बढ़ती चुनौती तथा पत्रकारिता के नैतिक मूल्यों पर भी विचार-विमर्श हुआ। वक्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए विश्वसनीय पत्रकारिता अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में स्थानीय पत्रकारों ने भी अपने विचार रखे और मीडिया के बदलते स्वरूप पर सार्थक चर्चा की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पत्रकार और समाजसेवी उपस्थित रहे।

डीएसपी के 16 ठिकानों पर छापा 200 करोड़ की मिली संपत्ति

तेलंगाना. एजेंसी। तेलंगाना में भ्रष्टाचार के खिलाफ एंटी-करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई की है। एसीबी ने पुलिस कंप्यूटर सर्विसेज के डीएसपी संकीरेड्डी भीम रेड्डी के घर पर छापा मारा। जांच में अधिकारी की 200 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति का खुलासा हुआ है। इसके साथ ही उन पर नौकरी के दौरान आय से अधिक संपत्ति जुटाने का आरोप है।

एसीबी के मुताबिक डीएसपी संकीरेड्डी भीम रेड्डी के घर समेत कुल 16 ठिकानों पर एक साथ तलाशी ली गई। इनमें उनके रिश्तेदारों, दोस्तों, कथित बेनामीदारों और सहयोगियों से जुड़े ठिकाने भी शामिल थे। एनडीटीवी इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार तलाशी के दौरान तेलंगाना और कर्नाटक में फैली बड़ी संपत्तियों के दस्तावेज मिले। इनमें इब्राहिमबाग के वेसेला मीडोज में पेंटहाउस वाला लग्जरी जी+2 विला, गाचीबोवली, टेलीकॉम नगर और तेल्लापुर में चार फ्लैट, नागोल और पटनचेरु में तीन खाली प्लॉट शामिल हैं। इसके अलावा, मणिकोंडा में जी+5 कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में हिस्सेदारी, 3,000 वर्ग फुट की व्यावसायिक जगह और कर्नाटक, संगारेड्डी, विकाराबाद तथा मुचिंताला में 50 एकड़ से ज्यादा खेती की जमीन से जुड़े दस्तावेज भी मिले हैं।

दोपहर मेट्रो | **गार्ड बोला- मेरे जिंदा होने की बात अभी मेरी पत्नी को नहीं बताएं...**

वेनेजुएला में भूकंप के मलबे से 8 दिन बाद जिंदा निकला गार्ड

कराकार, एजेंसी

वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंप ने जहां एक ओर पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया। वहीं, दूसरी ओर वेनेजुएला से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि वेनेजुएला में आए भूकंप के आठ दिन बाद मलबे से एक 43 वर्षीय सुरक्षा गार्ड को जिंदा सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। ला गुएरा के 'गैलरियास प्लाया ग्रांडे' शॉपिंग सेंटर के ढहे हुए बेसमेंट से हेरनान अल्बर्टो गिल फ्लोरेस नाम के सुरक्षा गार्ड को सुरक्षित निकाला गया। वह 24 जून से मलबे के नीचे दबे हुए थे।

मलबे के नीचे जिंदगी और मौत से जूझ रहे फ्लोरेस को डर था कि शायद वह बाहर न आ पाएं। कोस्टा रिका रेड क्रॉस के एक बचावकर्मी ने बताया कि जब हमने फ्लोरेस को खोजा, तो उन्होंने हमसे विनती की कि उनकी पत्नी को उनके जिंदा होने की बात अभी न बताएं। उन्हें डर था कि अगर वह जिंदा बाहर नहीं आ पाए, तो उनकी पत्नी का दिल टूट जाएगा। हालांकि, बचावकर्मियों ने हार नहीं मानी और उन्हें भरोसा दिया कि वे उन्हें छोड़कर कहीं नहीं जाएंगे। फ्लोरेस की पत्नी गुसबीमार गोंजालेज ने बताया कि पति के जिंदा होने की खबर उनके लिए अंधेरे में रोशनी की किरण जैसी थी।

वेनेजुएला में भूकंप से तबाही

गौरतलब है कि 24 जून को आए इन दो भीषण भूकंपों ने उत्तरी वेनेजुएला में भारी तबाही मचाई है। इस आपदा में अब तक 2200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और 11000 से ज्यादा लोग घायल हैं। हजारों इमारतें मलबे में तब्दील हो चुकी हैं, जिनमें ला गुएरा राज्य सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है।

बचाव टीम की कड़ी मेहनत

बता दें कि सात देशों के अंतरराष्ट्रीय बचाव दलों ने लगातार 100 से अधिक घंटों तक काम किया। उन्होंने भारी बारिश, लगातार आ रहे भूकंप के झटकों और कमजोर हो चुकी इमारत के बीच रास्ता बनाते हुए फ्लोरेस तक पहुंचने के लिए एक सुरंग खोदी। फ्लोरेस रात की शिफ्ट में ड्यूटी पर थे, तभी 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो के बाद एक दो बड़े भूकंप आए। हालांकि पूरी इमारत ढह गई, लेकिन फ्लोरेस का छोटा सुरक्षा केबिन मजबूत रहा। इसी केबिन ने उन्हें मलबे के नीचे दबने से बचाया और वहां हवा बनी रही।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564